मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 7 अंक 310
मंगलवार, 03 जून 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

विकास के मुद्दों से ध्यान भटकाना भाजपा के राजनीति की पहचान है: मल्लिकार्जुन खड़गे

नई दिल्ली, 2 जून। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने असम और पूर्वोत्तर के कुछ अन्य राज्यों में बाढ़ और भूस्खलन को लेकर सोमवार को चिंता जताई और आरोप लगाया कि विकास के बुनियादी मुद्दों से भावनात्मक और ध्रुवीकरण वाले विषयों की ओर ध्यान भटकाना भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राजनीति की पहचान है।

असम में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है और राज्य की 10 प्रमुख नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं तथा 15 से अधिक जिलों में लगभग चार लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं।

खरगे ने एक्स पर पोस्ट किया, पूर्वोत्तर विनाशकारी बाढ़, भूस्खलन और भारी बारिश से जूझ रहा है। असम, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, सिक्किम और मेघालय सबसे अधिक प्रभावित राज्यों में से हैं, जहां कई लोगों की जान चली गई है और लाखों लोग प्रभावित हुए हैं। उन्होंने आह्वान किया कि कांग्रेस नेताओं और कार्यकताओं को लोगों की सहायता के लिए हर संभव प्रयास करने चाहिए।

खरगे ने दावा किया, 2016 में भाजपा ने बाढ़ मुक्त असम बनाने का वादा किया था। 2022 में गृह मंत्री अमित शाह ने यह वादा दोहराया। तथाकथित स्मार्ट

सिटी गुवाहाटी के दृश्यों को देखकर याद आता है कि कैसे (प्रधानमंत्री नरेन्द्र) मोदी जी और उनकी डबल इंजन सरकार ने असम को धोखा दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि विकास के बुनियादी मुद्दों से भावनात्मक और ध्रुवीकरण वाले विषयों की ओर ध्यान भटकाना भाजपा की राजनीति की पहचान रही है।

खरगे ने कहा कि मोदी सरकार को बाढ़ की तैयारियों के लिए पूर्वोत्तर के सभी राज्यों, विशेषकर असम को अधिक धनराशि जारी करनी चाहिए। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, पूर्वोत्तर राज्यों, विशेषकर असम और अरुणाचल प्रदेश में भारी बारिश से हुई जनहानि की खबर अत्यंत दुखद है।

इस त्रासदी के कारण गुवाहाटी में हालात बेहद चिंताजनक हैं - जनजीवन पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो गया है। उन्होंने कहा, मैं केंद्र और राज्य सरकारों से अपील करता हूं कि राहत और बचाव कार्यों को तेज किया जाए और हर जरूरतमंद तक तुरंत सहायता पहुंचाई जाए। राहुल गांधी ने कांग्रेस के स्थानीय नेताओं और कार्यकताओं का आह्वान किया कि वे हर प्रभावित व्यक्ति की मदद के लिए राहत कार्यों में हर संभव सहायता प्रदान करें।

ट्रक की टक्कर से कार सवार चार लोगों की मौत, तीन जख्मी

बाराबंकी, 2 जून। बाराबंकी जिले के रामनगर क्षेत्र में सोमवार कीसुबह लखनऊ-बहराइच मार्ग पर तेज गति से जा रहे एक ट्रक की टक्कर लगने से कार सवार चार लोगों की मौत हो गई तथा तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस सूत्रों ने यहां बताया कि लखनऊ-बहराइच राष्ट्रीय राजमार्ग पर लखनऊ की ओर से गोंडा जा रही एक कार को रामनगर थाना क्षेत्र के गणेशपुर मोड़ पर एक ढाबे के पास विपरीत दिशा से तेज गति से आ रहे एक ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी।

उन्होंने बताया कि टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। इस घटना में कार सवार चार लोगों... सुधीर मौर्य (35), उनकी पत्नी शांति मौर्य (33), जीजा रमाशंकर मौर्य (38) और कार चालक

अयान कुरैशी (23) की मौके पर ही मौत हो गई। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

सूत्रों ने बताया कि इस घटना में पूजा कुशवाहा (32), अक्ष (नौ) और अनवी (पांच) गंभीर रूप से घायल हो गये। उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि हादसे के बाद राजमार्ग पर करीब दो किलोमीटर तक लंबा जाम लग गया। पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद जाम खुलवाया। मृतकों के रिश्तेदार राधेश्याम मौर्य ने बताया कि कार सवार सभी लोग कानपुर में एक पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। वहीं से लौटते वक्त यह हादसा हुआ।

झांसी में ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार पति-पत्नी की मौत

झांसी, 2 जून। पुलिस ने बताया कि हादसे के बाद ट्रक कई मीटर तक बाइक को घसीटकरले गया, जिससे राजाबेटी की मौके पर ही मौत हो गयी। पुलिस ने कहा कि दीनदयाल गंभीर रूप से घायल हुए, जिनकी बाद में मेडिकल कॉलेज में उपचार के दौरान मौत हो गयी।

झांसी जिले के चिरगांव थाना क्षेत्र में रविवार को एक तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार पति-पत्नी की मौत हो गयी। पुलिस ने यह जानकारी दी। चिरगांव पुलिस के अनुसार दीनदयाल अहिरवार (55) अपनी पत्नी राजाबेटी (52) को लेकर दोपहर के समय बीमार नातिन को देखने के लिए बाइक से झांसी आ रहे थे, जब वे पहाड़ी गांव के पास पहुंचे, तो पीछे से आ

रहे तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। पुलिस ने बताया कि हादसे के बाद ट्रक कई मीटर तक बाइक को घसीटकरले गया, जिससे राजाबेटी की मौके पर ही मौत हो गयी। पुलिस ने कहा कि दीनदयाल गंभीर रूप से घायल हुए, जिनकी बाद में मेडिकल कॉलेज में उपचार के दौरान मौत हो गयी। पुलिस ने दोनों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। हादसे के बाद ट्रक चालक भाग गया और उसकी तलाश जारी है।

पत्रकार संघ में अरुण की जीत, प्रेस क्लब की कमान चन्दन के हाथ

सुरेश गांधी

वाराणसी। काशी पत्रकार संघ और वाराणसी प्रेस क्लब के द्विवार्षिक चुनावों के नतीजे सोमवार को घोषित हुए। इस बार पत्रकारों ने भरोसा जताया नए नेतृत्व पर। संघ के अध्यक्ष पद पर अरुण मिश्र ने जोरदार मुकाबले में जीत दर्ज की, तो प्रेस क्लब की कमान चन्दन रूपानी के हाथों में सौंप दी गई। खास बात यह रही कि क्लब के कोषाध्यक्ष पद पर संदीप गुप्ता निर्विरोध चुने गए। पराड़कर स्मृति भवन में दिनभर चली मतगणना के बाद देर शाम निर्वाचन अधिकारी कृष्णदेव नारायण राय ने परिणामों की घोषणा की। मतदान में पत्रकारों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। संघ में 258 और क्लब में 220 सदस्यों ने वोट डाले।

संघ के अध्यक्ष पद पर अरुण मिश्र को 101 मत मिले। उन्होंने निकटतम प्रतिद्वंदी अत्रि भारद्वाज (81) को 20 मतों से हराया। बीबी यादव को 52 और सुरेश चंद्र मिश्र को 25 वोट मिले। महामंत्री पद पर जितेन्द्र कुमार श्रीवास्तव ने 121 मतों से जीत हासिल की। उनके प्रतिद्वंदी अखिलेश मिश्र को 93 और रामात्मा श्रीवास्तव को 38 मत प्राप्त हुए। कोषाध्यक्ष पद पर जयप्रकाश श्रीवास्तव ने पंकज त्रिपाठी को 18 वोटों से हराकर विजय दर्ज की।

उपाध्यक्ष (3 पद) :सुरेन्द्र नारायण तिवारी (119), सुनील शुक्ला (117), पुरुषोत्तम चतुर्वेदी (112). मंत्री (2 पद) : अश्वनी कुमार श्रीवास्तव (93), आलोक मालवीय (87). जबकि कार्यसमिति (10 पद) के लिए कैलाश

जितेन्द्र महामंत्री, जयप्रकाश कोषाध्यक्ष; क्लब में विनय मंत्री, संदीप निर्विरोध

यादव, विनय कुमार सिंह, उमेश गुप्ता, सुरेश गांधी, विजय शंकर गुप्ता बच्चा, छवि किशोर मिश्र, राकेश सिंह, एमडी जावेद, अरुण कुमार सिंह, आनंद मौर्य विजयी घोषित किए गए।

प्रेस क्लब के अध्यक्ष पद पर चन्दन रूपानी ने 140 वोट लेकर सुशील कुमार मिश्र (76) को 64 मतों से शिकस्त दी। उपाध्यक्ष पद पर देवकुमार केशरी को 144, जबकि राजू सिंह दुआ को 71 वोट मिले। मंत्री पद पर विनय शंकर सिंह ने एकतरफा जीत दर्ज की। उन्हें 158 और प्रतिद्वंदी मुन्ना लाल साहनी को केवल 53 वोट मिले। संयुक्त मंत्री पद पर अभिषेक सिंह ने 113 वोटों के साथ अमित शर्मा (49) और हरिबाबू श्रीवास्तव (45) को

पीछे छोड़ा। प्रबन्ध समिति के पाँचों सदस्य निर्विरोध निर्वाचित, जिसमें अरविन्द कुमार, दिनेश सिंह, मनोज कुमार राय, रौशन जायसवाल और संजय गुप्त को निर्विरोध चुना गया।

निर्वाचन अधिकारी कृष्णदेव नारायण राय के नेतृत्व में चुनाव बेहद शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। सहयोगी के रूप में शुभाकर दुबे, विकास पाठक, राजनाथ तिवारी, योगेश गुप्त, विश्वदीप बापुली और राजीव चौरसिया ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। चुनाव परिणाम घोषित करते हुए राय ने सभी विजयी प्रत्याशियों को बधाई दी और आशा जताई कि नया नेतृत्व पत्रकारों की समस्याओं के समाधान के लिए सजग रहेगा।

अध्यक्ष बने अरुण मिश्र ने कहा, ह्लयह जीत केवल मेरी नहीं, पूरे पत्रकार समुदाय की है। हम मिलकर संघ को और सशक्त बनाएंगे। महामंत्री जितेन्द्र कुमार ने कहा, सभी मतदाताओं का आभार, आप सबके विश्वास को सेवा में बदलने का प्रयास रहेगा। कोषाध्यक्ष जयप्रकाश श्रीवास्तव ने कहा, लेखा-व्यवस्था में पारदर्शिता ही मेरी प्राथमिकता रहेगी। वहीं प्रेस क्लब अध्यक्ष चन्दन रूपानी ने कहा, यह जीत मेरे लिए जिम्मेदारी है, क्लब को संवाद और सशक्त गतिविधियों का केंद्र बनाएंगे। मंत्री विनय शंकर सिंह ने कहा, पत्रकारों की जरूरतों और हितों की रक्षा ही हमारा संकल्प है। निर्विरोध निर्वाचित कोषाध्यक्ष संदीप गुप्ता ने सभी सदस्यों के प्रति आभार जताया।

दो से तीन चरणों में कराए जा सकते हैं बिहार चुनाव, जून में राज्य का दौरा करेगी टीम

नई दिल्ली, 2 जून। बिहार में इस साल विधानसभा के चुनाव होने है। इसको लेकर सूत्रों के हवाले से बड़ी खबर आ रही है। जानकारी के मुताबिक 2025 में होने वाले विधानसभा चुनाव दो से तीन चरणों में कराए जा सकते हैं। सूत्रों ने बताया कि दिवाली और छठ जैसे प्रमुख त्योहारों को ध्यान में रखते हुए चुनाव कार्यक्रम की योजना बनाई जाने की उम्मीद है। बिहार विधानसभा का मौजूदा कार्यकाल 22 नवंबर, 2025 को समाप्त हो रहा है और उससे पहले चुनाव प्रक्रिया पूरी हो जानी चाहिए।

पिछले दो चुनावों में भी बिहार में कई चरणों में मतदान हुआ था। 2020 में, मतदान तीन चरणों में हुआ था - 28 अक्टूबर को 71

सीटों पर, 3 नवंबर को 94 सीटों पर और 7 नवंबर को 78 सीटों पर - 10 नवंबर को नतीजे घोषित किए गए थे। 2015 में चुनाव पांच चरणों में हुए थे। खबर यह है कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार इस महीने के अंत में तैयारियों की समीक्षा के लिए बिहार का दौरा करेंगे। इस बीच, बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) सहित चुनाव अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है, ताकि चुनावी प्रक्रिया में सटीकता सुनिश्चित की जा सके। आयोग का उद्देश्य महाराष्ट्र, हरियाणा और दिल्ली में मतदाता सूची को लेकर सामने आए आरोपों से बचना है। पारदर्शिता बनाए रखने के लिए आयोग ने कहा है कि 6 से 10 जनवरी 2025 के बीच बिहार, हरियाणा और दिल्ली में अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन के बाद कोई अपील दायर नहीं की गई। सभी बीएलओ को घर-घर जाकर मतदाता विवरण सत्यापित करने के लिए पहचान पत्र जारी किए जाएंगे। 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले पहली बार के मतदाताओं के नाम जोड़ने के लिए एक विशेष अभियान भी चलाया जाएगा। चुनाव प्रबंधन को कारगर बनाने के लिए चुनाव आयोग एक सिंगल-पॉइंट ऐप एउक्ठएळ, एक एकीकृत डिजिटल डैशबोर्ड पेश कर रहा है, जो पहले 40 अलग-अलग ऐप और वेबसाइट का उपयोग करने की आवश्यकता को बदल देता है।

राहुल गांधी ने नीतीश सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली, 2 जून। बिहार के मुजफ्फरपुर की एक नाबालिग लड़की की रविवार सुबह पटना में मौत हो गई। बताया जा रहा है कि लड़की के साथ बलात्कार और उसके बाद मारपीट की गई थी। बलात्कार पीड़िता को पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल (पीएमसीएच) रेफर किया गया, जहां उसे शनिवार को पंजीकरण के बाद पांच घंटे तक इंतजार करना पड़ा। इसके बाद उसकी मौत हो गई। मृतक लड़की के चाचा वीरेंद्र पासवान ने आरोप लगाया कि उन्हें बच्ची को एंबुलेंस में इंतजार करना पड़ा, लेकिन अस्पताल प्रशासन ने उसे भर्ती नहीं किया। उन्होंने दावा

किया कि अगर लड़की को समय रहते पीएमसीएच में भर्ती कराया जाता, तो उसकी जान बच सकती थी। राष्ट्रीय महिला आयोग इस घटना को लेकर स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने कहा कि बिहार के मुजफ्फरपुर में नाबालिग दलित बलात्कार पीड़िता की दुखद मौत का स्वतः संज्ञान लेते हुए, जिसे बिना किसी चिकित्सा सुविधा के चार घंटे से अधिक समय तक एम्बुलेंस में इंतजार करना पड़ा, राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया राहटकर ने इस मामले में घोर लापरवाही और व्यवस्थागत विफलताओं की कड़ी निंदा की है। उन्होंने मुख्य सचिव और डीजीपी को मामले की गहन और निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं, साथ ही इस दुखद चूक में अस्पताल अधिकारियों और पुलिस की भूमिका की भी जांच करने को कहा है।

एपी मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए सम्पर्क करे: 9199355950

अरुणोदय सर्जिकल एण्ड ट्रामा सेन्टर

जनरल सर्जरी
स्त्री एवं प्रसूति रोग
आर्थोपेडिक (सर्जरी एवं परामर्श)
कीमोथिरैपी सुविधा उपलब्ध
न्यूरो सर्जरी (परामर्श एवं सर्जरी)
वेन्टिलेटर एवं डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध
प्रशिक्षित डाक्टर स्टाफ तथा सभी मानकों पर खरा उतरने वाला जनपद का एक मात्र हास्पिटल
दूरबीन विधि द्वारा सभी प्रकार की सर्जरी
जनरल मेडिसिन, मधुमेह रोग
गुर्दा एवं मूत्र रोग (सर्जरी एवं परामर्श)
गैस्ट्रोइन्टरोलॉजी (इण्डोस्कोपी एवं कालोनोस्कोपी)
एक्सीडेण्टल एवं ट्रामा इमरजेन्सी
सेवा 24 घण्टे उपलब्ध

डा. अरूण आर. सिंह
कन्सल्टेन्ट लैप्रोस्कोपिक सर्जन
एस.एम.ओ.) एल.टी.एम.एम. जी. एच. (सायन हॉस्पिटल मुम्बई)
स.आर.) एम. जी.एम. मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल (नवी मुम्बई)
रजि.नं.-82945 (यू.पी.एम.सी.)

डा0 पुनीत सिंह
M.S.M.C.H.
गुर्दा एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ (यूरो सर्जन)

डा0 रवि प्रकाश सिंह
M.S. (Ortho)
हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ

डा0 प्रभात सिंह
M.D.(Medicine)
कंसल्टेंट फिजिशियन

डा0 सुमित कुमार सिंह
M.D.(Neuro Psychiatrist)
मानसिक रोग विशेषज्ञ

24/7 Emergency Services

बीमा कार्ड धारकों के लिए विशेष सुविधा उपलब्ध
आयुष्मान कार्ड द्वारा नि:शुल्क इलाज की सुविधाएं
8090966086,8090015086
कलीचाबाद, जौनपुर

आक्रामकता के शिकार बच्चों की पीड़ा और दर्द को समझें

-ललित गर्ग

आक्रामकता के शिकार मासूम बच्चों का अन्तर्राष्ट्रीय दिवस- 4 जून, 2025

बच्चों को देश एवं दुनिया के भविष्य की तरह देखा जाता है। लेकिन उनका यह बचपन रूपी भविष्य लगातार हो रहे युद्धों की विभीषिका, त्रासदी एवं खौफनाक स्थितियों के कारण गहन अंधेरों एवं परेशानियों से घिरा है। आज का बचपन हिंसा, शोषण, यौन विकृतियों, अभाव, उपेक्षा, नशे एवं अपराध की दुनिया में धंसता चला जा रहा है। बचपन इतना उपेक्षित, प्रताड़ित, डरावना एवं भयावह हो जायेगा, किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी। आखिर क्यों बचपन बदहाल होता जा रहा है? बचपन इतना उपेक्षित क्यों हो रहा है? बचपन के प्रति न केवल अभिभावक, बल्कि समाज, सरकार एवं युद्धरत देशों की सत्ताएं इतनी बेपरवाह कैसे हो गयी है? ये प्रश्न 4 जून को आक्रमण के शिकार हुए मासूम बच्चों के दिवस को मनाते हुए हमें झकझोर रहे हैं। इस दिवस को मनाने की प्रासंगिकता आज के परिप्रेक्ष्य में ज्यादा महसूस हो रही है। इस दिवस का उद्देश्य आक्रामकता के शिकार बच्चों की पीड़ा और उनके दर्द को स्वीकार करना, बाल अधिकारों की रक्षा के लिए संयुक्त राष्ट्र की प्रतिबद्धता को दोहराना, समाज में बच्चों के साथ दुर्व्यवहार और हिंसा के खिलाफ जागरूकता बढ़ाना, बच्चों के साथ हिंसा रोकने के लिए व्यक्तिगत और सामूहिक रूप से प्रयास करना, बच्चों के लिए सुरक्षित, हिंसामुक्त और अनुकूल वातावरण बनाना एवं बच्चों के अधिकारों की रक्षा और उन्हें हिंसा से सुरक्षित रखने के लिए जागरूकता फैलाना है। संयुक्त राष्ट्र ने इस दिवस की शुरुआत 1982 में की थी, जब फिलिस्तीनी और लेबनानी बच्चों पर हुए अत्याचारों के बाद यह दिवस घोषित किया गया था, जिसे मनाते हुए हमें दुनिया भर में बच्चों द्वारा झेले गए दर्द को स्वीकारना होगा, जो शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक शोषण के शिकार हैं। यह दिन बच्चों के अधिकारों की रक्षा के लिए संयुक्त राष्ट्र की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

बच्चे दुनिया की आबादी का एक चौथाई हिस्सा हैं और किसी भी समाज की भलाई के लिए बच्चों का सुरक्षित एवं संरक्षित होना जरूरी है। वे समाज के सबसे कमजोर सदस्य हैं, जिन्हें निष्कंटक, खुशहाल और सफल जीवन जीने के लिए समान अवसर दिए जाने और उनकी रक्षा किए जाने की आवश्यकता है। लेकिन, हर साल संघर्ष और युद्धों के कारण बच्चों की एक बड़ी संख्या हिंसा, विस्थापन, अपंगता और दुर्व्यवहार का शिकार होती है। यह केवल इस बात को साबित करता है कि बच्चों पर किसी भी संघर्ष का गंभीर एवं घातक प्रभाव पड़ता है। निश्चित ही रूस एवं यूक्रेन, गाजा एवं इजरायल जैसे लम्बे समय से चल रहे युद्धों के कारण हर दिन, दुनिया भर में बच्चे अकथनीय भयावहता एवं त्रासदियों का सामना कर रहे हैं। वे अपने घरों में सोने या बाहर खेलने, स्कूल में पढ़ने या अस्पतालों में चिकित्सा देखभाल प्राप्त करने में सुरक्षित नहीं हैं। हत्या और अपंगता, अपहरण और यौन हिंसा से लेकर शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं पर हमले नयी बन रही विश्व संरचना के लिये गंभीर चुनौती है। बच्चे चौंका देने वाले पैमाने पर युद्धरत दलों के निशाने पर आ रहे हैं।

हाल के वर्षों में, कई संघर्ष एवं युद्ध क्षेत्रों में, महामारियों एवं प्राकृतिक आपदाओं के कारण बच्चों के खिलाफ उल्लंघन की संख्या में वृद्धि हुई है। संघर्ष, युद्ध, हिंसा एवं महामारियों से प्रभावित देशों और क्षेत्रों में रहने वाले 250 मिलियन बच्चों की सुरक्षा के लिए और अधिक प्रयास किए जाने की आवश्यकता है। हिंसक अतिवादियों द्वारा बच्चों को निशाना बनाने से बचाने के लिए, अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार कानून को बढ़ावा देने के लिए और बच्चों के अधिकारों के उल्लंघन के लिए जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए और अधिक प्रयासों एवं संकल्पों की जरूरत है ताकि बच्चों के बेहतर भविष्य को सुरक्षित किया जा सके। संयुक्त राष्ट्र के नए एजेंडे में पहली बार बच्चों के खिलाफ हिंसा के सभी रूपों को समाप्त करने के लिए एक विशिष्ट लक्ष्य शामिल था और बच्चों के दुर्व्यवहार, उपेक्षा और शोषण को समाप्त करने के लिए कई अन्य हिंसा-संबंधी लक्ष्यों को मुख्यधारा में शामिल किया गया। विश्वस्तर पर बालकों के उन्नत जीवन के ऐसे आयोजनों के बावजूद आज भी बचपन उपेक्षित, प्रताड़ित और नारकीय बना हुआ है, आज बच्चों की इन बदहाल स्थिति की प्रमुख वजहें है, वे हैं-सरकारी योजनाओं का कागज तक ही सीमित रहना, बुद्धिजीवी वर्ग व जनप्रतिनिधियों की उदासीनता, दुनिया की महाशक्तियों की ओर से बच्चों के ज्वलंत प्रश्नों पर आंख मूंद लेना, इनके प्रति समाज का संवेदनहीन होना एवं गरीबी-शिक्षा के लिये जागरुकता का अभाव है।

युद्धों एवं ऐसी ही स्थितियों में 11,649 बच्चे मारे गए या अपंग हो गए। अधिकांश मामलों में, विस्फोटक आयुध और बारूदी सुरंगों का उपयोग आबादी वाले क्षेत्रों में किया गया, जिसके कारण बच्चों की मृत्यु हुई और वे अपंग हो गए। 8,655 बच्चों का इस्तेमाल संघर्ष में किया गया और 4356 का अपहरण किया गया, जिनमें से सबसे ज्यादा संख्या कांगो, सोमालिया और नाइजीरिया के लोकतांत्रिक गणराज्य में पायी गयी। पीड़ितों में से लगभग 30 प्रतिशत लड़कियां थीं। 1,470 बच्चे यौन हिंसा के शिकार हुए है। संघर्ष में यौन हिंसा कलंक और कानूनी सुरक्षा की कमी के कारण लड़कियों और लड़कों दोनों के लिए सबसे कम रिपोर्ट की जाने वाली गंभीर हिंसा है। 90 प्रतिशत से अधिक यौन हिंसा लड़कियों के खिलाफ की गई, जो यौन हिंसा और जबरन विवाह से असमान रूप से प्रभावित हैं, हालांकि लड़कों के खिलाफ यौन हिंसा की घटनाओं में भी वृद्धि हुई है। 2022 से 2023 तक मानवीय सहायता से वंचित करने की घटनाओं में 32 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है, जो अक्सर अन्य गंभीर उल्लंघनों में वृद्धि के साथ मेल खाती है। 2024 के लिए, मानवीय सहायता से वंचित करने की घटनाओं में कई संदर्भों में गिरावट आने की उम्मीद है, विशेष रूप से अफगानिस्तान, म्यांमार और सूडान में मानवीय संगठनों और कर्मियों पर नियंत्रण बढ़ाने वाले प्रतिबंधात्मक नियमों को अपनाने के कारण। 2023 तक, स्कूलों पर हमलों में लगभग 60 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। कोफी अन्नान ने एक बार कहा था, ह्रदुनिया में बच्चों के साथ जो भरोसा है, उससे ज्यादा पवित्र कोई भरोसा नहीं है। यह सुनिश्चित करने से ज्यादा महत्वपूर्ण कोई कर्तव्य नहीं है कि उनके अधिकारों का सम्मान किया जाए, उनके कल्याण की रक्षा की जाए, उनका जीवन भय और अभाव से मुक्त हो और वे शांति से बड़े हो सकें।ह्व

बच्चों के खिलाफ गंभीर उल्लंघनों को समाप्त करना और रोकना बच्चों और सशस्त्र संघर्ष पर जनादेश का मुख्य हिस्सा है। बच्चों को शत्रुता से बचाने का सबसे प्रभावी तरीका उन दबाव और खींचतान वाले कारकों को खत्म करना है जो उन्हें सशस्त्र संघर्ष में शामिल होने के लिए प्रेरित करते हैं। बच्चे बहुत अच्छे लगते हैं जब वे हँसते-मुस्कुराते हैं। बच्चे यदि तनावरहित रहते हैं तो चारों तरफ खुशी का माहौल बन जाता है। क्या आपने कभी सोचा है कि बच्चे भी पीड़ा महसूस करते हैं। यह पीड़ा शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक किसी भी तरह के शोषण से पैदा होती है। बच्चे खुश, स्वस्थ और सुरक्षित होने चाहिए। उन्हें जाने-अनजाने में भी कोई पीड़ा नहीं दी जानी चाहिए। बच्चों की खुशी में देश एवं दुनिया का उज्ज्वल भविष्य छुपा है। कुछ बीमार मानसिकता यानी पीडोफिलिया ग्रस्त व्यक्ति मासूम बच्चों को क्रूरतम मानसिक व शारीरिक यातनाएं देने में आनंद की प्राप्ति करता है तथा उसके लिए यह एक ऐसा नशा बन जाता है कि वह बच्चों को यातनाएं देने कि क्रूरतम विधियां इजाद करता जाता है जिसमें बच्चो के साथ सेक्स, शरीर को चोटिल करना-काटना, जलाना, यहाँ तक कि उनके टुकडे-टुकडे कर उनके मांस तक खाना शामिल है। कुछ देशों में बच्चों को ऊंट की पीठ पर बान्धकर ऊटों को दौड़ाया जाता है जिससे बच्चे कि चीत्कार-चीख से वहां के लोग आनन्द एवं मनोरंजन की प्राप्ति करते हैं, यह पीडोफिलिया का ही एक उदाहरण है। इन क्रूर एवं अमानवीय स्थितियों का मासूम बच्चों पर भारी दुष्प्रभाव पड़ता है और इन कमजोर नींवों पर हम कैसे एक सशक्त दुनिया की कल्पना कर सकते हैं?

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की बढ़ती ही जा रही है मुश्किलें

अशोक भाटिया

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की मुश्किलें बढ़ रही हैं। वहां की पुलिस ने शेख हसीना पर शिकंजा कसने के लिए पूरी ताकत झोंक रखी है। अब खबर है कि बांग्लादेश पुलिस के नेशनल सेंट्रल ब्यूरो (NCB) ने इंटरपोल से 12 लोगों के खिलाफ रेड नोटिस जारी करने का अनुरोध किया है। इस सूची में अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना का नाम भी शामिल है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, 77 वर्षीय शेख हसीना पिछले साल 5 अगस्त बांग्लादेश से भाग चुकी हैं। राजधानी ढाका में उग्र छात्र आंदोलन के बाद हसीना बांग्लादेश से भाग आईं थीं। इस आंदोलन ने उनकी पार्टी अवामी लीग (एएल) के 16 साल के शासन को समाप्त कर दिया था।

ज्ञात हो कि शेख हसीना तख्तापलट के बाद से ही भारत में रह रही हैं। वह विरोध प्रदर्शनों के बाद भारत भाग आई थी। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार शेख हसीना की वापसी की मांग कर रहा है, लेकिन भारत ने ऐसी किसी भी मांग पर प्रतिक्रिया नहीं दी है। भारत और बांग्लादेश के रिश्ते शेख हसीना के समय मजबूत रहे हैं, लेकिन उनके तख्तापलट के बाद इनमें दरार आ गई है। बांग्लादेश की नई यूनुस सरकार का झुकाव चीन औप पाकिस्तान की तरफ है, जबकि बांग्लादेश से भारत रिश्ते बनाए रखने की कोशिश कर रहा है। द डेली स्टार के अनुसार, NCB ऐसे अनुरोधों को अदालतों, लोक अभियोजकों या जांच एजेंसियों की अपीलों के आधार पर प्रक्रिया में लाता है। सहायक पुलिस महानिरीक्षक (मीडिया) एनामुल हक सागर ने पुलिस मुख्यालय में कहा, ये आवेदन उन आरोपों के संबंध में दायर किए जाते हैं, जो जांच के दौरान या किसी चल रही केस प्रोसिडिंग में सामने आते हैं। रेड नोटिस का उपयोग इंटरपोल द्वारा किसी व्यक्ति की अस्थायी गिरफ्तारी के लिए किया जाता है, ताकि प्रत्यर्पण या अन्य कानूनी प्रक्रिया की जा सके। इंटरपोल विदेशों में रह रहे भगोड़ों का पता लगाने में मदद करता है और एक बार पुष्टि हो जाने पर संबंधित अधिकारियों को यह जानकारी साझा की जाती है।

बांग्लादेश में 8 अगस्त को अंतरिम सरकार ने देश की बागडोर संभाली थी और इस सरकार में मुहम्मद यूनुस को मुख्य सलाहकार की जिम्मेदारी मिली थी। यूनुस के पद संभालने के कुछ ही हफ्तों बाद बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (ICT) ने हसीना और कई पूर्व कैबिनेट मंत्रियों, सलाहकारों, सैन्य और नागरिक अधिकारियों के खिलाफ 'मानवता के खिलाफ अपराध और नरसंहार' के आरोपों में गिरफ्तारी वारंट जारी किए थे।पिछले साल नवंबर में ICT के मुख्य अभियोजक कार्यालय ने पुलिस मुख्यालय से हसीना और अन्य भगोड़ों की गिरफ्तारी में इंटरपोल की मदद लेने का औपचारिक अनुरोध किया था। 21 जनवरी को बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने कहा था कि वो अपदस्थ हसीना को भारत से वापस लाने के प्रयास जारी रखेगी और यदि जरूरत हुई तो अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेप भी मांगा जाएगा।

वैसे बताया जाता है कि रेड कॉर्नर नोटिस कोई गिरफ्तारी वारंट नहीं होता है। यह एक अनुरोध होता है इंटरपोल सदस्य देशों से कि वे उस व्यक्ति को अस्थायी रूप से गिरफ्तार करें ताकि उसे प्रत्यर्पण के लिए तैयार किया जा सके। यानी गिरफ्तारी जरूरी नहीं है। ये सदस्य देश की मर्जी पर निर्भर करता है।हालांकि, जानकारों का कहना है कि अगर इंटरपोल रेड कॉर्नर नोटिस जारी करता है तब भी शेख हसीना का प्रत्यर्पण पूरी तरह भारत पर निर्भर करेगा। इंटरपोल के नोटिस पर सीधे गिरफ्तारी करने के लिए भारत कानूनी रूप से बाध्य नहीं है। भारत पहले देखेगा कि क्या बांग्लादेश के साथ प्रत्यर्पण संधि है? क्या आरोप राजनीतिक प्रकृति के हैं? अगर ऐसा है तो भारत इनकार भी कर सकता है। इसके अलावा, भारत की अपनी राजनीतिक और कूटनीतिक प्राथमिकताएं क्या हैं? अगर भारत को लगता है कि हसीना को प्रत्यर्पित करना राजनीतिक उत्पीड़न जैसा होगा तो वो मना कर सकता है।

समाचारों के अनुसार मुहम्मद यूनुस की नेतृत्व वाली बांग्लादेश की अंतिरम सरकार ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग पर पहले ही बैन लगा दिया है। यह फैसला आतंकवाद विरोधी कानून के तहत लिया गया है। अवामी लीग ने इस बैन का विरोध जताते हुए कहा कि दमनकारी और अलोकतांत्रिक निर्णय बताया था ।यूनुस सरकार ने कहा है कि आतंकवाद विरोधी कानून के तहत आवामी लीग पर प्रतिबंध लगाया गया है। इसकी आधिकारिक सूचना अगले कार्यदिवस पर जारी की जाएगी। यह प्रतिबंध तब तक जारी रहेगा जब तक आवामी लीग के नेताओं के खिलाफ इंटरनेशनल क्राइम्स ट्राइब्यूनल में मुकदमे पूरे नहीं हो जाते।

मुहम्मद यूनुस की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में यह फैसला लिया गया था साथ ही इंटरनेशनल क्राइम्स ट्राइब्यूनल (आईसीटी) कानून में संशोधन किया गया है । जिसके तहत किसी भी राजनीतिक दल, उसके नेताओं के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति मिल गई।

आवामी लीग का यूनुस सरकार की ओर से लगाए गए प्रतिबंध का विरोध जारी है। आवामी लीग ने कहा है कि यूनुस सरकार का यह फैसला बांग्लादेश को तानाशाही दिशा में धकेल रहा है। आवामी लीग ने अंतरराष्ट्रीय समुदायों और मानवाधिकार संगठनों से अपील की है कि वे इस अलोकतांत्रिक निर्णय की निंदा करें। साथ ही लोगों से एकजुटता दिखाने को कहा गया है। आवामी लीग ने कहा कि प्रतिबंध लगाकर बांग्लादेश की पहचान को मिटाने की कोशिश की जा रही है। यह बांग्लादेश के इतिहास का काला दिन है।

गौरतलब है कि आवामी लीग बांग्लादेश की सबसे पुरानी पार्टी है। 1971 में बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान के नेतृत्व में बांग्लादेश को पाकिस्तान से आजादी मिली थी। 2024 में हुए आंदोलन के बाद शेख हसीना को मजबूर भारत में शरण लेना पड़ा और वहां मुहम्मद यूनुस ने सरकार बना ली। इसी घटनाचक्र में बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार के पूर्व मंत्री अनिसुल हक पर अदालत में पेशी के बाद जेल वैन में ले जाते समय भीड़ ने हमला कर दिया था । यह खबर को बांग्लादेश के कई प्रमुख अखबरों में छपी थी ।वहां के लोकप्रिय अखबार 'प्रथोम आलो' और अन्य मीडिया रिपोट्र्स के अनुसार, वकीलों समेत भीड़ ने पूर्व कानून मंत्री अनिसुल हक पर तब हमला किया जब पुलिस उन्हें जेल वैन तक ले जा रही थी। पुलिस सुरक्षा कम होने की वजह से भीड़ हमला करने में कामयाब रही। ये लोग पूर्व शेख हसीना सरकार का विरोध कर रहे थे। यह हमला तब हुआ था जब नारायणगंज नामक नदी बंदरगाह शहर की एक अदालत ने पुलिस को तीन दिनों के लिए अनिसुल को हिरासत में भेजने का आदेश दिया था। हत्या के मामले में अनिसुल से पूछताछ की जानी है। स्थानीय पुलिस के अनुसार, पुलिसकर्मी सुरक्षा का घेरा बनाकर अनिसुल को लेकर जेल की वैन की ओर ले जा रहे थे। तब ही भीड़ ने हमला कर दिया। हालांकि, उन्हें गंभीर चोटें नहीं आई।

अखबार प्रथोम आलो के अनुसार, जब अनिसुल को अदालत से जेल वैन की ओर ले जाया जा रहा था तब कुछ लोगों ने अंधाधुंध हमला करना शुरू कर दिया। अनिसुल हक और हसीना की अवामी लीग के कई मंत्रियों पर पिछले साल छात्रों के नेतृत्व में हुए आंदोलन के दौरान भ्रष्टाचार और हत्या के आरोप लगे हैं।छात्रों के आंदोलन की वजह से 2024 में बांग्लादेश में शेख हसीना की 16 साल लंबे शासनकाल का अंत हो गया। जिसके बाद शेख हसीना भारत आ गईं। तब से वह भारत में ही रही हैं। बांग्लादेश ने औपचारिक तौर पर हसीना को सौंपने का आग्रह किया है। शेख हसीना का बांग्लादेश छोड़ने के बाद मोहम्मद यूनुस को अंतरिम सरकार का प्रमुख बनाया गया।

बांग्लादेश के शीर्ष चुनाव निकाय ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनके परिवार के नौ सदस्यों के राष्ट्रीय पहचान पत्र (NIDs) लॉक कर दिए हैं। DÔily StÔr अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक, हसीना सहित 10 लोगों के पहचान पत्र 16 फरवरी को एक आधिकारिक पत्र के जरिए लॉक किए गए थे, जिस पर चुनाव आयोग में राष्ट्रीय पहचान पंजीकरण विंग के महानिदेशक एएसएम हुमायूं कबीर ने हस्ताक्षर किए थे।सरकारी समाचार एजेंसी इरर ने सोमवार को बताया कि जिन अन्य सदस्यों के पहचान पत्र लॉक किए गए हैं, उनमें हसीना के बेटे सजीब वाजेद, बेटी साइमा वाजेद, बहन शेख रेहाना सिद्दीक, ट्यूलिप रिजवाना सिद्दीक, अजमीना सिद्दीक, शाहीन सिद्दीक, बुशरा सिद्दीक, रादवान मुजीब सिद्दीक और तारिक अहमद सिद्दीक के नाम शामिल हैं।अधिकारियों के मुताबिक, पहचान पत्र लॉक होने का मतलब है कि इसकी जानकारी को अब सुधारा, सत्यापित या बदला नहीं जा सकता। लॉक किए गए पहचान पत्र अनुपयोगी हैं, इसलिए हसीना और उनके परिवार के नौ सदस्यों को एनआईडी से संबंधित कोई भी सर्विस नहीं मिलेगी।

आम आदमी की सवारी है साइकिल

-रमेश सर्राफ धमोरा

03 जून विश्व साइकिल दिवस पर विशेष

साइकिल मानव ऊर्जा को गतिशीलता में बदलने के लिए अब तक का सबसे कुशल साधन है। साइकिल का व्यापक रूप से परिवहन, मनोरंजन और खेल के लिए उपयोग किया जाता है साइकिलें उन क्षेत्रों में लोगों और सामान को ले जाने के लिए आवश्यक हैं जहां कम वाहन उपलब्ध हैं। साइकिल से वायु प्रदूषण को कम करने के साथ पूरे शरीर का व्यायाम हो जाता है। ऐसे में विश्व साइकिल दिवस का महत्व समाज के सभी लोगों के बीच साइकिल के इस्तेमाल को बढ़ावा देना और शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य कल्याण को मजबूत करने के लिए राष्ट्रीय और स्थानीय स्तर पर साइकिल सवारी को प्रोत्साहित करना है।

3 जून 2018 को पहला विश्व साइकिल दिवस मनाया गया। तब से दुनिया में प्रतिवर्ष साइकिल दिवस मनाया जाने लगा है। इस बार हम सातवां विश्व साइकिल दिवस मना रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ ने परिवहन के सामान्य, सस्ते, विश्वसनीय, स्वच्छ और पर्यावरण अनुकूल साधन के रूप में इसे बढ़ावा देने के लिए विश्व साइकिल दिवस को मनाने की घोषणा की थी। 12 जून 1817 को जर्मनी के मैनहेम में बैरन कार्ल वॉन ड्रैस ने दुनिया की पहली साइकिल पेश की थी। यह लकड़ी से बना था और इसमें पैडल, गियर या जंजीर नहीं थी। उसने खुद को पहले एक पैर से और फिर दूसरे पैर से धकेला। उन्होंने इसे लॉफमाशाइन (जर्मन में चलने वाली मशीन) कहा। अब तो जापान के फुकुकोआ शहर में छात्रों ने एक ऐसी साइकिल बनाई है जो हवा से चलती है।

भारत की आर्थिक तरक्की में साइकिल ने बहुत अहम भूमिका निभाई है। आजादी के बाद से ही साइकिल देश में यातायात व्यवस्था का अनिवार्य हिस्सा रही है। खासतौर पर 1960 से लेकर 1990 तक भारत में ज्यादातर परिवारों के पास साइकिल थी। यह व्यक्तिगत यातायात का सबसे ताकतवर और किफायती साधन था। गांवों में किसान साप्ताहिक मंडियों तक सब्जी और दूसरी फसलों को साइकिल से ही ले जाते थे। दूध की सप्लाई गांवों से पास से कस्बाई बाजारों तक साइकिल के जरिये ही होती थी। डाक विभाग का तो पूरा तंत्र ही साइकिल के बूते चलता था। आज भी पोस्टमैन साइकिल से चिट्ठियां बांटते हैं। चीन के बाद आज भी भारत दुनिया में सबसे ज्यादा साइकिल बनाने वाला देश है।

भारत में भी विकसित की जा रही ज्यादातर आधारभूत आधुनिक संरचनाएं मोटर-वाहनों को ही सुविधा प्रदान करने के लिए बन रही हैं। साइकिल जैसे पर्यावरण-हितैषी वाहन को नजर अंदाज किया जा रहा है। जबकि शहरी व ग्रामीण परिवहन में भी साइकिल का महत्वपूर्ण स्थान है। खासतौर से कम आय-वर्ग के लोगों के लिए साइकिल उनके जीविकोपार्जन का एक सस्ता, सुलभ और जरूरी साधन है। यह इसलिए भी कि भारत का कम आय-वर्ग के लोग अपनी कमाई से प्रतिदिन सौ-पचास रुपये परिवहन पर खर्च करने में सक्षम नहीं हैं।

बच्चे सबसे पहले साइकिल चलाना ही सीखते है। इसलिये बचपन में हम सभी ने साइकिल चलाई है। पहले के जमाने में जिसके पास साइकिल होती थी वह बहुत प्रतिष्ठित व्यक्ति माना जाता था। गांव के लोग जब कभी शहरों में जाते थे। तब लोगों को साइकिल चलाते हुए देखते थे और फिर वे खुद भी धीरे-धीरे साइकिल चलाना सीख जाते थे। पहले शहरों में किराए पर भी साइकिले मिलती थी।

देश की युवा पीढ़ी को अब साइकिल के बजाय मोटरसाइकिल ज्यादा अच्छी लगने लगी है। शहरों में मोटरसाइकिल का शौक बढ़ रहा था। गांवों में भी इस मामले में बदलाव की शुरूआत हो चुकी थी। इसके बावजूद भारत में साइकिल की अहमियत खत्म नहीं हुई है। 1990 के बाद से साइकिलों की बिक्री में बढ़ोतरी आई है। लेकिन ग्रामीण इलाकों में इसकी बिक्री में गिरावट आई है। दरअसल 1990 से पहले जो भूमिका साइकिल की थी। उसकी जगह गांवों में मोटरसाइकिल ने ले ली है। इसके उपरांत भी साइकिल आज भी हमारे जीवन का अभिन्न अंग हैं।

देश में लॉकडाउन के दौरान दूसरे प्रदेशों में कमाने गए लाखों लोग साइकिल पर 1000-1500 किलोमीटर की दूरी तय कर अपने घर पहुंचे थे। संकट के समय साइकिल ही उनके घर पहुंचने का एकमात्र साधन बनी थी। लॉकडाउन के दौरान लाखों लोगों के घर पहुंचने का सबसे उपयोगी साधन बनने से लोगों को यह बात अच्छी तरह समझ में आ गयी की साइकिल आज भी आम लोगों का सबसे सस्ता व सुलभ साधन है।

अब तो विभिन्न प्रकार के फीचर से लैस गियर वाली कीमती साइकिले बाजार में आ गई है। पहले लोगों के पास सामान्य साइकिले ही हुआ करती थी। जिनके पीछे एक कैरियर लगा रहता था। जिस पर व्यक्ति अपना सामान रख लेता था व जरूरत पड़ने पर दूसरे व्यक्ति को बैठा लेता था। कई बार तो साइकिल सवार आगे लगे डंडे पर भी अपने साथी को बिठाकर 3-3 लोग साइकिल पर सवारी करते थे। साइकिल से वातावरण में किसी तरह का प्रदूषण नहीं होता था। पेट्रोल डलवाने का झंझट भी नहीं था। साइकिल उठाई पैडल मारे और पहुंच गए अगले स्थान पर। पहले के जमाने में साइकिल के आगे एक छोटी सी लाइट भी लगी रहती थी। जिसका डायनुमा पीछे के टायर से जुड़ा रहता था। साइकिल सवार जितनी तेजी से साइकिल चलाता उतनी ही अधिक लाइट की रोशनी होती थी। 2020 में विश्व साइकिल दिवस के दिन ही भारत की सबसे बड़ी साइकिल निमार्ता कम्पनी एटलस बंद हो गयी थी। प्रतिवर्ष 40 लाख साइकिल का उत्पादन करने वाली भारत की सबसे बड़ी व दुनिया की जानी मानी कम्पनी एटलस के बंद होने से साइकिल उद्योग को बड़ा धक्का लगा है। एटलस की फैक्ट्री बंद होने से वहां काम करने वाले करीबन एक हजार लोग बेरोजगार हो गये। एटलस साइकिल कम्पनी की स्थापना 1951 में हुई थी। इसका कई विदेशी साइकिल निमार्ता कंपनियों के साथ गठबंधन था। जिस कारण एटलस कम्पनी की साइकिल दुनिया भर की श्रेष्ठ साइकिलों में शुमार होती थी।

बढ़ते प्रदूषण की वजह से दुनिया के बहुत से देशों में साइकिल चलाने को बढ़ावा दिया जा रहा है। नीदरलैंड की राजधानी एम्सटर्डम में सिर्फ साइकिल चलाने की ही अनुमति है। भारत में भी दिल्ली, मुंबई, पुणे, अहमदाबाद और चंडीगढ़ में सुरक्षित साइकिल लेन का निर्माण किया गया है। उत्तर प्रदेश में भी 200 किलोमीटर लम्बा एशिया का सबसे लंबा साइकिल हाई वे बना है। अभी देश में साइकिल चालकों के अनुपात में साइकिल रोड़ विकसित किए जाने की प्रबल आवश्यकता है। पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से देखा जाए तो दुनिया के देशों में साइकिल की वापसी पर्यावरण की दृष्टि से एक शुभ संकेत माना जा सकता है।

भारत सरकार अपनी साइकिल परिवहन व्यवस्था में कुछ जरूरी मूलभूत सुधार करके आम और खास लोगों को साइकिल चलाने के लिए प्रेरित कर सकती है। सरकार के इस कदम से ऐसे सभी लोग प्रेरणा पा सकते हैं। जिनकी प्रतिदिन औसत यातायात दूरी पांच-सात किलोमीटर के आसपास बैठती हैं। हमारे देश की कई राज्य सरकारें अपने स्कूली छात्र-छात्राओं को बड़ी संख्या में साइकिल वितरण कर रही हैं। जिससे साइकिल सवारों की संख्या में वृद्धि हुई है। द एनर्जी ऐंड रिसर्च इंस्टीट्यूट के अनुसार पिछले एक दशक में साइकिल चालकों की संख्या ग्रामीण क्षेत्रों में 43 फीसदी से बढकर 46 फीसदी हुई है। जबकि शहरी क्षेत्रों में यह संख्या 46 फीसदी से घटकर 42 फीसदी पर आ गई है। इसकी मुख्य वजह साइकिल सवारी का असुरक्षित होना ही पाया गया है।

अब समय आ गया है कि शहर एवं गांवो में साइकिल चालन को एक बड़े स्तर पर प्रोत्साहन देने का। ताकि बढ़ते प्रदूषण को कुछ हद तक रोका जा सके। शहरों में समर्पित साइकिल मार्गों का निर्माण किया जाना चाहिये। हमें विश्व साइकिल दिवस को महज एक सांकेतिक कवायद के रूप में नहीं देखना चाहिये। आज के दिन हमें मन ही मन इस बात का संकल्प लेना चाहिये कि हम हमारे रोजमर्रा के काम साईकिल से पूरा करेगें। तभी सही मायने में साइकिल दिवस मनाना सफल हो पायेगा।

स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए साइकिल चलाना कभी ना छोड़े

यह तो आप सभी को मालूम ही है की साइकिलआमतौर पर आज दिखाई देने वाले वाहनों से भी बहुत पहले का एक सर्व सुलभ और सस्ता वाहन रहा है। यही वजह है कि इसकी उपयोगिता को देखते हुए विश्व साइकिल दिवस हर साल 3 जून को मनाया जाने लगा है। यह दिवस साइकिल चलाने के लाभों को बढ़ावा देने और लोगों को साइकिल चलाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए ही मनाया जाता है।

सर्वप्रथम संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2018 में 3 जून को विश्व साइकिल दिवस के रूप में घोषित किया था। यह निर्णय साइकिल चलाने के लाभों को बढ़ावा देने और लोगों को साइकिल चलाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए लिया गया था। विश्व साइकिल दिवस के उद्देश्य 1.साइकिल चलाने के लाभों को बढ़ावा देना।विश्व साइकिल दिवस का उद्देश्य साइकिल चलाने के लाभों को बढ़ावा देना है, जैसे कि व्यायाम, पर्यावरण संरक्षण, और आर्थिक लाभ।2. लोगों को साइकिल चलाने के लिए प्रोत्साहित करना। विश्व साइकिल दिवस का उद्देश्य लोगों को साइकिल चलाने के लिए प्रोत्साहित करना है, खासकर उन लोगों को जो साइकिल चलाने के लिए नए हैं।3. साइकिल चलाने की संस्कृति को बढ़ावा देना।

वश्व साइकिल दिवस का उद्देश्य साइकिल चलाने की संस्कृति को बढ़ावा देना है, जिससे लोग साइकिल चलाने को एक स्वस्थ और पर्यावरण अनुकूल विकल्प के रूप में देखें। विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर हम सामूहिक रूप से साइकिल रैली आयोजित करें और विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर साइकिल रैली आयोजित करें और लोगों को साइकिल चलाने के लिए प्रोत्साहित करें।साइकिल चलाने के लिए प्रोत्साहित करें। विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर लोगों को साइकिल चलाने के लिए प्रोत्साहित करें और उन्हें साइकिल चलाने के लाभों के बारे में बताएं।साइकिल संबंधी कार्यक्रम आयोजित करें। विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर साइकिल संबंधी कार्यक्रम आयोजित करें, जैसे कि साइकिल प्रदर्शनी, साइकिल चलाने की प्रतियोगिता, आदि कार्यक्रमों के आयोजन से लोगों का रुझान साइकिल जैसे वाहन की और निश्चित ही बढ़ेगा, और साइकिल का उपयोग करने में सब की रुचि जागेगी। यह कार्य निश्चित ही पर्यावरण और स्वास्थ्य के सुधार में एक महत्व कदम साबित होगा।

तो चले आज से ही ऐसा ठान लें कि हमें कम से कम स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए एक घंटे दो घंटे ही सही साइकिल चलाने का कार्य शुरू करना है।आमतौर पर देखा जाए तो साइकिल बहुत ही उपयोगी और मितव्ययी वाहन है। आजकल लोगों को जल्दबाजी और रफ्तार का ऐसा जुनून चरार्या हुआ है कि लोगों ने इस स्वास्थ्यवर्धक और कम खर्च वाले वाहन की तरफ ध्यान देना बिलकुल छोड़ दिया है। फलतः अब लोग साइकिल चलाते हुए कम ही दिखते हैं। साइकिल को अब पिछड़े और पुराने जमाने की चीज समझा जाने लगा है। यह सोच ही नासमझी से भरा जान पड़ता है। गांव हो या शहर अब साइकिल चालक बहुत कम दिखाई देते हैं, जिसे भी देखो वह फरार्टेदार बाईक, स्कूटी,अन्य पेट्रोल चालित या इलेक्ट्रिक वाहनों में ही आना-जाना पसंद करने लगे हैं। इस वाहन को नजरअंदाज करना लोगों को अब भारी भी पडने लगा है। इसके कई दुष्परिणाम सामने नजर आने लग गए हैं, जैसे स्वास्थ्य का बिगड़ना, पर्यावरण का बिगाड़ और खर्चों में बढ़ोतरी। यह प्रारंभिक और चिंतनीय भी कारण है। जिस पर विचार करना अत्यंत आवश्यक है। यह तो सर्वविदित तथ्य है की साइकिल एक बहुत ही उपयोगी और पर्यावरण अनुकूल वाहन है। इसकी उपयोगिता कितने ही मायनों में आपको दिखाई दे जाएगी, जैसे स्वास्थ्य लाभ 1व्यायामः साइकिल चलाने से शरीर को व्यायाम मिलता है, जो हृदय स्वास्थ्य, मांसपेशियों की ताकत और लचीलेपन में सुधार करता है।2.वजन कम करने में मदद।साइकिल चलाने से कैलोरी जलती है, जो वजन कम करने में मदद करती है।3. तनाव कम करने में मदद साइकिल चलाने से तनाव और चिंता कम होती है, और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार होता है।पर्यावरण लाभ1. प्रदूषण कम करने में मदद। साइकिल एक शून्य-उत्सर्जन वाहन है, जो वायु प्रदूषण को कम करने में मदद करता है। 2. ऊर्जा की बचत।साइकिल चलाने से ऊर्जा की बचत होती है, क्योंकि यह मानव शक्ति पर चलता है।3. सड़कों पर भीड़भाड़ कम करने में मदद। साइकिल चलाने से सड़कों पर भीड़भाड़ कम होती है, जो यातायात को सुगम बनाने में मदद करता है। जैसे सर्वप्रथम है आर्थिक लाभ। 1.ईंधन की बचत। साइकिल चलाने से ईंधन की बचत होती है, जो आर्थिक लाभ प्रदान करता है। 2. पार्किंग और रखरखाव की बचत।साइकिल को पार्क करना और रखरखाव करना आसान होता है, जो आर्थिक लाभ प्रदान करता है।3. साइकिल की लंबी उम्र।साइकिल की लंबी उम्र होती है, जो आर्थिक लाभ प्रदान करता है। सामाजिक लाभ 1. सामाजिक संपर्क। साइकिल चलाने से सामाजिक संपर्क में वृद्धि होती है, जो मानसिक स्वास्थ्य में सुधार करता है। 2. सामुदायिक भागीदारी। साइकिल चलाने से सामुदायिक भागीदारी में वृद्धि होती है, जो सामाजिक संबंधों को मजबूत बनाता है। 3. साइकिल चलाने की संस्कृति। साइकिल चलाने से साइकिल चलाने की संस्कृति को बढ़ावा मिलता है, जो पर्यावरण अनुकूल और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देता है।

- सुरेश सिंह बैस शाश्वत

वसई तहसील की वार्षिक आमसभा का 4 जून को माणिकपूर में होगा आयोजन

पालघर (उत्तरशक्ति)। वसई तहसील की वर्ष 2024-2025 के लिए वार्षिक आमसभा का आयोजन बुधवार 4 जून 2025 को सुबह 11 बजे किया जा रहा है। यह सभा यंग मेन कैथलिक असोसिएशन सभागृह, माणिकपूर, तहसील वसई, जिला पालघर में संपन्न होगी। इस महत्वपूर्ण आमसभा की अध्यक्षता वसई की लोकप्रिय विधायक स्नेहा दुबे पंडित करेंगी। साथ ही विधायक राजन नाईक और विलास तरे विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। आमसभा का उद्देश्य तहसील क्षेत्र में चल रहे विविध विकास कार्यों की समीक्षा करना एवं नागरिकों को प्रशासन से सीधे संवाद का मंच प्रदान करना है। यह सभा पारदर्शिता बनाए रखने के साथ-साथ स्थानीय निर्णयों में जनभागीदारी सुनिश्चित करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम साबित होगी। पंचायत समिति के गटविकास अधिकारी तथा सचिव, आमसभा ने जानकारी देते हुए सभी नागरिकों से इस महत्वपूर्ण आमसभा में उपस्थित रहने की अपील की है, ताकि वे अपने क्षेत्र के विकास में सक्रिय रूप से भाग ले सकें।

अध्यन अकैडमी द्वारा आयोजित प्रीमियर लीग क्रिकेट मैच का आयोजन संपन्न

ठाणे (उत्तर शक्ति)। महाराष्ट्र ठाणे अध्यन अकैडमी निरंतर विद्यार्थियों में शिक्षा के साथ -साथ खेल में भी विद्यार्थियों को प्रोत्साहन देने का कार्य कर रही है देश की आर्थिक राजधानी मुंबई शहर में शिक्षा के साथ आधुनिक शिक्षा का काम अध्यन अकैडमी निरंतर प्रयास करके विद्यार्थियों के स्किल डेवलपमेंट एवं खेल संबंधित रुचि पढ़ाई के साथ विकसित करने में लगी रहती है । अकैडमी के संचालक सचिन मिश्रा शिक्षा के साथ-साथ खेलों के भी विकास के लिए छात्रों के साथ प्रयासरत रहते हैं। उन्होंने सीजन 2 अध्यन प्रीमियर लीग मैच का आयोजन किया ,जिसमें 6 टीमों ने भाग लिया ।कक्षा 9 से 12वीं तक के विद्यार्थियों ने क्रिकेट का एपीएल अध्यन प्रीमियर लीग मैच का भरपूर आनंद उठाया। प्रीमियर लीग के उत्साह पूर्वक विजेता एवं उपविजेता विद्यार्थियों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। समाजसेवी रतन मिश्रा ने कहा की बच्चे हमारे देश के भविष्य हैं ।वे निरंतर शिक्षा के साथ-साथ खेलों में भी आगे बढ़ते रहें यही अध्यन अकैडमी का एकमात्र लक्ष्य है।

भाजपा नेता व पूर्व नगरसेवक यशवंत टावरे का जन्मदिन मनाया गया

आचार्य सूरजपाल यादव/भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी के गंगाराम वाडी स्थित टावरे निवास प्रांगण में बडे हर्षोल्लाश व धूमधाम से प्रीति-भोज व गीत संगीत के साथ मनाया गया पूर्व नगरसेवक भाजपा नेता का जन्मदिन । बतादें कि यशवंत टावरे के जन्मदिन पर अपने चहेते नेता को बधाई देने वालों की लंबी कतार देखी गयी । जन्मदिन को यादगार बनाने के लिये गीत संगीत के लिये मशहूर गायक व गायिका द्वारा गाये गये गीतों ने शुभकामना देने आये अतिथियों को मंत्रमुग्ध कर दिया । इस अवसर पर राकांपा नेता भगवान टावरे , शंकर टावरे , भरत टावरे , भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्षा सुनीता यशवंत टावरे , हितेश टावरे आदि पूरा टावरे परिवार , राजा इंदुरकर , उत्तर भारतीय मोर्चा अध्यक्ष मंगेश यादव. मुकेश चौबे , रामलाल यादव , राजेश यादव , बीरबल यादव आदि के साथ उनके वार्ड के लोगों के साथ भाजपा के कार्यकर्ता व पदाधिकारियों में सैकड़ों महिला पुरुष उपस्थित होकर शाल पुष्पगुच्छ उपहार देकर शुभकामनाएँ दिये ।

जेईई-एडवांस्ड में एलन कोटा के राजित ऑल इंडिया रैंक-1, टॉप-10 में एलन कोटा के 4 स्टूडेंट्स

मुंबई/पटना। आईआईटी कानपुर ने जेईई-एडवांस्ड 2025 के रिजल्ट जारी कर दिए हैं। एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट का क्वालिटी और क्वांटिटि दोनों तरह से बेहतर रिजल्ट रहा है। रिजल्ट्स अनाउंसमेंट के साथ ही कॅरियर सिटी कोटा में जोश और उत्साह का माहौल है।

एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के सीईओ नितिन कुकरेजा ने बताया कि एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट कोटा ने लगातार दूसरे वर्ष क्लासरूम प्रोग्राम से आल इंडिया टॉपर दिया है।

कोटा निवासी छात्र राजित गुप्ता ने 360 में से 332 अंक प्राप्त कर आल इंडिया रैंक-1 प्राप्त की है। एआईआर-2 पर एलन क्लासरूम स्टूडेंट सक्षम जिंदल, एआईआर- 06 पर अक्षत कुमार और एआईआर-8 पर देवेश पंकज भैया रहे हैं। अभी तक प्राप्त जानकारी के अनुसार एलन के क्लासरूम कोर्स से आल इंडिया टॉप-10 में 4 स्टूडेंट्स और टॉप-100 में सर्वाधिक 46 क्लासरूम स्टूडेंट्स ने स्थान बनाया है। इसमें टॉप-20 में 8 क्लासरूम स्टूडेंट्स, टॉप-30 में 14, टॉप-50 में 21 और टॉप-100 में 46 क्लासरूम स्टूडेंट्स रहे हैं। नितिन कुकरेजा ने कहा कि क्वालिटी के साथ-साथ क्वांटिटि की बात करें तो ब ड़ी संख्या में स्टूडेंट्स आईआईटी की काउंसलिंग के लिए क्वालिफाई हुए हैं।

गत वर्ष आईआईटी में प्रवेश लेने वाला हर चैथा स्टूडेंट एलन से था, 17740 सीटों में से 4425 से अधिक स्टूडेंट्स एलन के सलेक्ट हुए। देश के आईआईटीयन्स का ड्रीम डेस्टिनेशन माने जाने वाले आईआईटी मुम्बई की कम्प्यूटर साइंस ब्रांच में 2024 में एलन के 63 स्टूडेंट्स एडमिट हुए। उन्होंने कहा कि एलन रिजल्ट्स की ऑथेंटिसिटी में भी विश्वास रखता है और इसे बरकरार रखने के लिए अपने रिजल्ट्स को देश की बड़ी ऑडिट फर्म ई-वाई इंडिया से वैलिडेट करवाया है।

पीएनबी ने शुरू किया पहला मासिक कृषि आउटरीच कार्यक्रम

मुंबई (उत्तरशक्ति)। सार्वजनिक क्षेत्र में देश के अग्रणी बैंकों में से एक, पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी) 2 जून, 2025 को अपने पहले देशव्यापी मासिक कृषि आउटरीच कार्यक्रम का सफल आयोजन किया। देश भर के कृषि से संबंधित समुदायों का सहयोग करने के उद्देश्य से इस पहल का आयोजन हर माह के पहले दिवस पर जारी रहेगा जो किसानों और एग्री बिजनेसों के साथ निरंतर जुड़ाव सुनिश्चित करेगा। कार्यक्रम 22 अंचलों में आयोजित किया गया था जिसमें ग्रामीण, अर्ध शहरी और शहरी सभी क्षेत्रों के कृषि समुदायों की सक्रिय सहभागिता दिखी। कृषि संबंधी व्यापक आवश्यकताओं के लिए वित्तपोषण के बारे में जागरूकता और पहुंच बढ़ाने के लिए पीएनबी ने कृषि चौपालों, डिजिटल जोन और पीएनबी बूथों के माध्यम से इस आउटरीच को सुगम बनाया। प्रमुख फोकस क्षेत्र में स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) व्यावसायिक उद्यमों के विस्तार को सक्षम करने के लिए माइक्रो क्रेडिट प्लान-आधारित वित्तपोषण के साथ एसएचजी को मजबूत करना। कृषि अवसंरचना कोष (एआईएफ) उत्पादकता और बाजार तक पहुंच बढ़ाने के लिए फार्म मशीनीकरण, भंडारण सुविधाओं, कोल्ड स्टोरेज और कस्टम हायरिंग इकाइयों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना। सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों का औपचारिककरण (पीएमएफएमई): देश के बुनियादी ढांचे के उन्नयन, बेहतर गुणवत्ता मानकों और बाजार विस्तार के लिए सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करणकताओं को अनुदान, ऋण और सब्सिडी का प्रावधान। इस पहल पर टिप्पणी करते हुए पीएनबी के एग्री एवं एफआई प्रभाग के सीजीएम श्री संजय वार्ष्णेय ने भारत के कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए बैंक के समर्पण को दोहराया।* उन्होंने कहा ₹यह मासिक आउटरीच पहल वित्तीय संस्थानों को कृषि समुदाय से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ग्रामीण भारत में सतत विकास और आर्थिक विकास को बढ़ावा देकर, हमारा लक्ष्य ऋण तक पहुंच में सुधार करना, अपने डिजिटल ऋण समाधानों के बारे में जागरूकता बढ़ाना, और कृषि मूल्य श्रृंखला में साझेदारी को मजबूत करना है। यह जारी कार्यक्रम किसानों को सशक्त बनाने और क्षेत्र के दीर्घकालिक लचीलेपन का समर्थन करने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को उजागर करता है।

वाल्मिकी आंबेडकर गौरव पुरस्कार वितरण संपन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। बहुजन विकास संघ के माध्यम से वाल्मीकि आंबेडकर गौरव पुरस्कार से 10 वी और 12 वीं के लड़के लड़कियों को वाल्मीकि आंबेडकर गौरव पुरस्कार और बच्चों को नोट बुक का वितरण किया। वाल्मीकि मंदिर मुलुंड कॉलोनी मुलुंड पश्चिम में, विनोद कुमार कजानिया, के नेतृत्वत में प्रोग्राम का आयोजन हुआ। जिसमें शामिल श्रेष्ठ आईं प्रतिष्ठान की राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्मला सोनावने, भोला भदौरिया,राजकपूर वेद, अनिल पथवार शामिल रहे। सभी बच्चों को गौरव पुरस्कार से सम्मानित करके हौसला बढ़ाया । बहुजन विकास संघ वाल्मीकि,आंबेडकर गौरव पुरस्कार हर साल करता रहेगा। बहुजन विकास संघ ने एक दिन में 25 जगह पर ये प्रोग्राम किया है।

घाटकोपर में मनपा और पुलिस ने फेरीवालों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की

मुंबई (उत्तरशक्ति)। आज शाम मनपा और घाटकोपर पुलिस ने घाटकोपर स्टेशन पश्चिम में फुटपाथ पर अनधिकृत फेरीवालों के खिलाफ संयुक्त रूप से बड़ी कार्रवाई की। बता दें कि घाटकोपर में पिछले काफी समय से अनधिकृत फेरीवालों के खिलाफ शिकायतें आ रही हैं। फेरीवालों का मनोबल इतना बढ़ गया है कि वे फुटपाथ और सड़कों पर खुलेआम अतिक्रमण कर रहे हैं। इस कारण नागरिकों को आने जाने के लिए कतार में लगना पड़ता है। नागरिकों को हो रही दिक्कतों को देखते हुए मनपा ने इन फेरीवालों का सामान जब्त कर लिया और उनके खिलाफ कार्रवाई की। मनपा के सहायक आयुक्त गजानन बेल्लाले और घाटकोपर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक बलवंत देशमुख के मार्गदर्शन में पुलिस उपनिरीक्षक शरद शेट्टे ने स्टेशन परिसर में कार्रवाई की और अनधिकृत स्टॉल हटा दिए।

केंद्रीय सचिव ने पालघर जिले में जल जीवन मिशन की प्रगति का लिया जायजा

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय के सचिव अशोक कुमार के. मिना ने महाराष्ट्र के पालघर जिले के मोखाडा तहसील में जल जीवन मिशन योजना के तहत किए जा रहे कार्यों का दौरा कर प्रत्यक्ष निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने 58 गांवों को पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने वाले जल स्रोतों और जल शुद्धिकरण केंद्रों की समीक्षा की और परियोजना की जमीनी हकीकत का मूल्यांकन किया। इस महत्वपूर्ण दौरे में राज्य जल एवं स्वच्छता विभाग के अभियान संचालक ई. रविंद्रन, पालघर की जिलाधिकारी डॉ. इंदुराणी जाखड़, मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे, जव्हार परियोजना अधिकारी अपूर्वा बसुर, जिला जल एवं स्वच्छता विभाग के परियोजना संचालक अतुल पारसकर, ग्रामीण जल आपूर्ति विभाग के कार्यकारी अभियंता राजेश पाध्ये, महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण के कार्यकारी अभियंता अजय मुले, मोखाडा के गट विकास अधिकारी अक्षय पगार,

मोखाडा पंचायत समिति के पूर्व सभापति प्रदीप वाघ, समेत राज्य और जिला स्तर के अधिकारी, कर्मचारी और सलाहकार मौजूद रहे। इसके अलावा ग्राम पंचायत सरपंच, सदस्य, ग्रामीण नागरिक, महिला बचत समूह की सदस्याएं, आशा वर्कर और आंगनवाड़ी सेविकाएं भी इस कार्यक्रम में शामिल हुईं। सचिव अशोक कुमार के. मिना ने वाकडपाड़ा और किनिस्ते गांवों में जल जीवन मिशन के अंतर्गत चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया। वाकडपाड़ा स्थित कातकरी वाड़ी में उन्होंने नल कनेक्शन प्राप्त परिवारों से संवाद कर योजना के प्रभाव की जानकारी ली। साथ ही, उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत शौचालय की उपलब्धता, कचरा प्रबंधन और गांव की स्वच्छता व्यवस्था के बारे में जानकारी प्राप्त की। किनिस्ते गांव में पानी की गुणवत्ता जांचने वाली पांच महिला जल सुरक्षा कर्मियों ने पानी के नमूनों की जांच का प्रदर्शन किया, जिससे योजना की प्रभावी कार्यान्वयन की पुष्टि हुई।

जल जीवन मिशन के तहत मोखाडा तहसील के आदिवासी क्षेत्रों में सुरक्षित और स्वच्छ पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के प्रयास लगातार जारी हैं। सचिव की इस निरीक्षण यात्रा से स्थानीय क्रियान्वयन को नई गति मिलेगी और ग्रामीण जल आपूर्ति एवं स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा, ऐसा विश्वास अधिकारियों ने व्यक्त किया।

सनातन धर्म केवल पूजा नहीं, एक समग्र जीवनशैली है: डॉ. रवींद्र मिश्रा

मुंबई(उत्तरशक्ति)। सनातन धर्म केवल पूजा-पाठ का नाम नहीं, बल्कि एक समग्र और सार्वभौमिक जीवनशैली है, जो व्यक्ति, समाज और राष्ट्र के सर्वांगीण विकास का मार्ग प्रशस्त करती है।₹ यह विचार शाश्वत सनातन न्यास के अध्यक्ष डॉ. रवींद्र मिश्रा ने एक संवाद कार्यक्रम में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि आज भारत को आवश्यकता है अपने मूल धर्म, संस्कृति और परंपराओं की ओर लौटने की। हमारे वेदों का ज्ञान, उपनिषदों की तत्त्वचिंतन, गीता की कर्मशीलता और रामायण-महाभारत की जीवनचर्चा झ यह सब केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि हमारे जीवन के मार्गदर्शक सिद्धांत हैं।

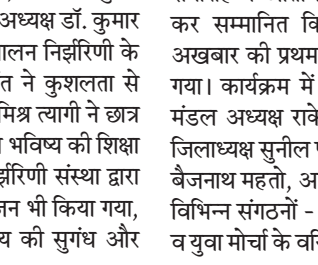

उन्होंने चेताया कि जाति, भाषा और क्षेत्र के नाम पर हिंदू समाज में बढ़ता विखंडन हमारी शक्ति को कमजोर कर रहा है। यदि हमें अपनी सभ्यता और संस्कृति की रक्षा करनी है, तो हिंदू की पहचान के साथ एकता को सर्वोपरि मानना होगा।

डॉ. मिश्रा ने आज के युवाओं से अपील की कि वे इंटरनेट और आधुनिक तकनीकों का उपयोग कर सनातन धर्म के शाश्वत मूल्यों को विश्व भर में प्रचारित करें। हमें पश्चिमी संस्कृति का अंधानुकरण छोड़कर अपने मूल की ओर लौटना होगा, यही हमारी पहचान और शक्ति है। कार्यक्रम का केंद्रीय संदेश था सनातन की दीपक घर-घर जगाना होगा। डॉ. मिश्रा ने स्पष्ट किया कि यह कोई मात्र भावनात्मक नारा नहीं, बल्कि अंधकार रूपी अज्ञान, विकृति और असत्य को दूर करने का संकल्प है। समापन में उन्होंने आह्वान किया कि हर घर, स्कूल, संस्था और मंच पर सनातन धर्म की ज्योति प्रज्वलित की जाए, ताकि भारत की आत्मा को पुनः जाग्रत किया जा सके।

मुंबई 10वी और 12 वी के छात्रों को मुफ्त सरकारी दस्तावेज प्रमाणपत्र बांटा गया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। चांदीवली विधानसभा क्षेत्र के विधायक दिलीप लांडे के माध्यम से शासन आपके दरवाजे पर इस 3 दिवसीय कार्यक्रम की शानदार शुरूआत हुई।

इस अवसर पर 10 वी और 12वी के छात्रों को मुफ्त सरकारी दाखला प्रमाणपत्र बांटा गया,जिसमें सभी छात्रों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। 10वी और 12वी कक्षा के छात्रों का अभी कुछ दिन पहले ही रिजल्ट आया है,आगे की कक्षाओं में प्रवेश लेने के लिए छात्रों को विभिन्न सरकारी प्रमाणपत्रों की आवश्यकता पड़ती है इसलिए छात्रों को असुविधा न हो इस बात को ध्यान में रखते हुए चांदीवली विधानसभा के शिवसेना विधायक दिलीप लांडे के नेतृत्व में रविवार 1जून से मंगलवार 3जून तक मोहिली विलेज साकीनाका के मनपा स्कूल में 3 दिवसीय मुफ्त सरकारी प्रमाणपत्र बांटने का काम शुरू किया है।

शासन आपके द्वार कार्यक्रम में आय प्रमाणपत्र, रहिवासी प्रमाणपत्र, वरिष्ठ नागरिक प्रमाणपत्र इत्यादि सभी प्रकार के सरकारी प्रमाणपत्र मुफ्त में बनाकर दिए जाने के कारण छात्र व अभिभावक बड़े पैमाने पर इस शिविर का लाभ उठा रहे है।

इस शिविर के उदघाटन के अवसर पर विधायक दिलीप लांडे ने कहा कि हाइस्कूल और बारहवीं की परीक्षा में उत्तीर्ण हुए विद्यार्थियों को महाविद्यालय में प्रवेश लेने के लिए विभिन्न सरकारी प्रमाणपत्र देना पड़ता है ।जिसे ध्यान में रखते हुए इस शिविर का आयोजन किया गया है। आज के विद्यार्थी आने वाले कल के भविष्य हैं ।उनके उज्वल भविष्य की मै शुभ कामना करता हूं।

इस अवसर पर शिवसेना के पदाधिकारी राजू पाटील,सागर तुलसकर, शिवा सूर्यवंशी,महेश पाणिग्रही समेत सैकड़ों शिवसैनिक उपस्थित थे।

केसीएन क्लब द्वारा आयोजित दीक्षांत समारोह में एमएसडब्ल्यू छात्र रविन्द्र वझे को सौंपा अनुभव पत्र

पालघर(उत्तरशक्ति)। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के छात्र रविन्द्र गणपत वझे को द्वितीय वर्ष के मैनेजमेंट इन सोशल वर्क (एमएसडब्ल्यू) के अर्धवार्षिक इंटर्नशिप कोर्स पूर्ण करने पर केसीएन क्लब द्वारा भव्य दीक्षांत समारोह में अनुभव पत्र प्रदान किया गया। यह समारोह बोईसर के नवापुर रोड स्थित जयश्री अपार्टमेंट केसीएन हाउस में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वैज्ञानिक एवं बीएआरसी के पूर्व अधिकारी कौशल श्रीवास्तव ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में निर्झरिणी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. कुमार कलहंस मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन निर्झरिणी के पालघर जिलाध्यक्ष नवरत्न मिश्र अर्पित ने कुशलता से किया। सर्वप्रथम राष्ट्रीय अध्यक्ष नंदन मिश्र त्यागी ने छात्र को अनुभव पत्र प्रदान करते हुए उसकी भविष्य की शिक्षा हेतु शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर निर्झरिणी संस्था द्वारा 136वीं मासिक काव्यगोष्ठी का आयोजन भी किया गया, जिसमें गर्मी की तपन के बीच साहित्य की सुगंध और

बादलों को आमंत्रित करती कविताएं प्रस्तुत की गईं। समारोह में अतिथियों को श्रेयस्कर मासिक पत्रिका भेंट कर सम्मानित किया गया तथा केसीएन हेडलाइंस अखबार की प्रथम मासिक प्रति का लोकार्पण भी किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश मीडिया प्रभारी देवेन्द्र मेश्राम, मंडल अध्यक्ष राकेश आचार्य, उपाध्यक्ष यजुवेंद्र सावे, जिलाध्यक्ष सुनील पाटील, जयंती महतो, अरविंद द्विवेदी, बैजनाथ महतो, आनंद दुबे सहित केसीएन क्लब से जुड़े विभिन्न संगठनों - निर्झरिणी, वेटरन्स भारत, मीरा सृजन व युवा मोर्चा के वरिष्ठ पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे।

पत्रकार दिवस के अवसर पर समाजसेवकों पत्रकारों एवं नेताओं को किया गया सम्मान-पत्र देकर सम्मानित

आचार्य सूरजपाल यादव
भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी के धामनकर नाका स्थित सिटी सेंटर मॉल में हिन्दी पत्रकार दिवस के अवसर पर हिन्दभूमि टाइम्स की तरफ से सामाजिक कार्य करने वालों को विभिन्न अवॉर्ड देकर सम्मानित किया गया । जिसमें बतादें कि हिन्द भूमि टाइम्स की तरफ से नेशनल प्राइड डॉ. बाबा साहब आंबेडकर रत्न अवार्ड , इंडिया प्राइड विमेंस आइकॉन अवार्ड , नेशनल पत्रकारिता सम्मान रत्न अवार्ड देकर सम्मानित किया गया । कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शहर में सामाजिक कार्य करने वाले डॉक्टर , पुलिस , पत्रकार जगत के श्रमजीवी पत्रकारों , शिक्षिका तथा एडवोकेट सहित अन्य लोगों का सम्मान करना और उनके द्वारा किया गया । उक्त कार्यक्रम में सामाजिक कार्यों को जनता के सामने रखना ताकि और भी लोगों के कार्यों को देखकर प्रोत्साहित करने में सहायक हो सके । कार्यक्रम का आयोजन हिन्द भूमि टाइम्स के संपादक यूसुफ मंसूरी व उनकी टीम ने किया । कार्यक्रम का सूत्रसंचालन सज्जाद अख्तर ने किया । यूसुफ मंसूरी की समाजसेवा को देखते हुये महाराष्ट्र में कई अवॉर्ड फंशन कार्यक्रम में सम्मानित किया जा चुका है । इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा भिवंडी युवा मोर्चा

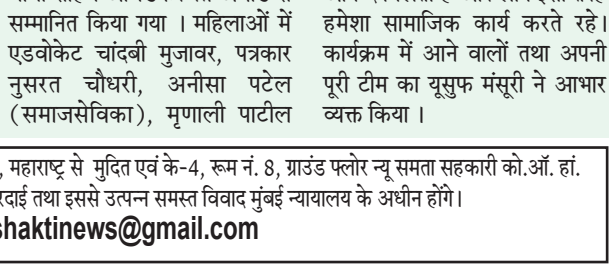

अध्यक्ष राजू चौगुले , पूर्व नगरसेवक वसीम अंसारी , समाजसेवक अकरम मंसूरी , पुलिस उपनिरीक्षक अनंता वाघ , एडवोकेट खदीजा खान मुंबई (हाइकोर्ड), माहेनूर खान (प्रधानाचार्य), पत्रकारों में फिरोज मेमन, अमृत शर्मा , आचार्य सूरजपाल यादव , संदीप गुप्ता , सोहेल अंसारी , सय्यद नकी हसन आदि उपस्थित पत्रकारों को नेशनल पत्रकारिता सम्मान रत्न अवार्ड देकर सम्मानित किया गया । वहीं भिवंडी राजा अकादमी के अध्यक्ष आवेश कुरैशी , मोमिन सैम (मोटीवेशनल स्पीकर), ट्रैफिक पुलिस हवलदार सचिन वेताल , राहुल चव्हाण (महाराष्ट्र सुरक्षा बल), किरण निकम (समाजसेवक) आदि लोगों को नेशनल प्राइड डॉ. बाबा साहब आंबेडकर रत्न अवार्ड से सम्मानित किया गया । महिलाओं में एडवोकेट चांदबी मुजावर, पत्रकार नुसरत चौधरी, अनीसा पटेल (समाजसेविका), मृणाली पाटील (महाराष्ट्र सुरक्षा बल), अंसारी फरहा, राणा मिर्जा (डायरेक्टर आर अकादमी), सोनल तिवारी (शिक्षिका), आदि को इंडिया प्राइड विमेंस आइकॉन अवार्ड देकर सम्मानित किया गया ।

इस अवसर पर प्रिंसिपल माहेनूर ने वहां उपस्थित लोगों को संबोधित कर कहा कि यूसुफ मंसूरी हर वर्ष अवॉर्ड कार्यक्रम करते हैं ताकि शहर में सामाजिक कार्य करने वालों की तादाद में वृद्धि हो सके उन्होंने यूसुफ मंसूरी का आभार व्यक्त किया है । इस अवसर पर पत्रकार यूसुफ मंसूरी ने कहा कि मेरे इस कार्यक्रम करने का उद्देश्य शहर में जो लोग अपने बिना स्वार्थ लोगों की मदद करते है। उन्हें अवॉर्ड देकर सम्मानित करने में आनन्द मिलता है और लोग इसी तरह हमेशा सामाजिक कार्य करते रहे। कार्यक्रम में आने वालों तथा अपनी पूरी टीम का यूसुफ मंसूरी ने आभार व्यक्त किया ।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

पुलिस मुठभेड़ में बदमाश गिरफ्तार, पैर में लगी गोली

खेतासराय थाना क्षेत्र के ग्राम भुड़कुडहा में हुई मुठभेड़, बदमाश के ऊपर जलालपुर, खेतासाराय और केराकत थाने की टीम ने चोरी, डकैती और आर्म्स एक्ट के तहत चार मुकदमे दर्ज

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेतासराय पुलिस की रविवार की देर रात एक बदमाश संग थाना क्षेत्र के ग्राम भुड़कुडहा में मुठभेड़ हो गई। इसमें बदमाश के बाएं पैर में गोली लगी जिससे वाह घायल हो गया। पुलिस ने उसे सीएचसी सोंधी पर इलाज के लिए भर्ती कराया। बदमाश के ऊपर जिले के तीन थानों में चार मुकदमे दर्ज हैं। बदमाश के पास से एक तमंचा, तीन खोखा और एक मोटर साइकिल बरामद हुई है। थानाध्यक्ष खेतासराय रामाश्रय राय ने बताया कि रविवार की देर रात उनकी एक टीम सोंगर बॉर्डर पर चेकिंग कर रही थी। तभी एक संदिग्ध दो पहिया वाहन सवार आजमगढ़ की ओर से आता दिखाई दिया। जिसे रोकने का प्रयास किया गया तो दो पहिया वाहन सवार ने चौकी प्रभारी के उपर मोटरसाइकिल चढाने का प्रयास किया और गाली देता हुआ तेज गति से मोटर साइकिल चलाकर मानीकला की तरफ भागने लगा। चौकी प्रभारी ने उसका पीछा किया और थानाध्यक्ष को सूचना दी। थानाध्यक्ष अपनी टीम के साथ सरायख्वाजा बॉर्डर से भुडकुडहा गाँव होते हुए मानीकला की तरफ बढे। तभी एक स्कूल से

करीब 200 मीटर पहले संदिग्ध मोटरसाइकिल सवार ने अपने को दोनों ओर से घिरा देखकर खाली जमीन में मोटरसाइकिल मोड़कर भागा और अनियंत्रित होकर गिर पड़ा। पुलिस ने उसको चेतावनी देते हुए रुकने के लिए कहा तो उसने अपने पास लिए हुए तमन्चे से पुलिस पर फायर कर दिया। गोली थानाध्यक्ष के कान के पास से निकल गई। पुलिस ने दोबारा चेताया लेकिन उसने फिर फायर किया। इस पर जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी बदमाश पर गोली चलायी। जो उसके बाएं पैर में लगी और वह घायल हो गया। बदमाश ने अपना नाम मनीष यादव निवासी बहरीपुर थाना जलालपुर जौनपुर बताया। बदमाश को पुलिस अभिरक्षा में लेकर उपचार के लिए पीएचसी सोंधी खेतासराय में भर्ती कराया गया तथा उसके खिलाफ अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। क्षेत्राधिकारी अजीत सिंह चौहान ने बताया कि बदमाश के खिलाफ जौनपुर के जलालपुर थाने में जान से मारने की धमकी देने का एक, केराकत में आर्म्स एक्ट के तहत दो और खेतासराय थाने में भी आर्म्स एक्ट का एक मुकदमा दर्ज है। बदमाश के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस मुठभेड के बाद घायलावस्था में गोतस्कर गिरफ्तार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। डा0 कौस्तुभ, पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देशन में अपराध व अपराधियों पर अंकुश एवं प्रभावी नियन्त्रण बनाये रखने हेतु अभियान के क्रम में थाना लाइन बाजार पुलिस टीम द्वारा 01 शातिर गोतस्कर को पुलिस मुठभेड के दौरान घायलावस्था में किया गया गिरफ्तार, आरोपी के कब्जे से 01 अदद पिस्टल .32 बोर व 03 अदद जिंदा कारतूस तथा जामा तलाशी के 660 रूपया नगद बरामद।पुलिस अधीक्षक जौनपुर के द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे ।विशेष अभियान के क्रम मे अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) के दिशा निर्देशन व क्षेत्राधिकारी नगर जौनपुर के पर्यवेक्षण में सतीश कुमार सिंह, प्रभारी निरीक्षक थाना लाइन बाजार मय हमराह के दिनांक 01/02.06.2025 की रात्रि करीब 0.50 बजे थाना क्षेत्र में रात्रि गस्त,तलाश वांछित अपराधी रोकथाम जुर्म जरायम में मामूर था कि जरिये मुखबीर सूचना प्राप्त हुई कि कुछ बदमाश नेवादा अण्डरपास के पास किसी घटना को अन्जाम देने लिए इकट्ठा होने वाले है। यदि आप शीघ्रता करें तो उन्हे पकड़ सकते हैं तथा किसी जघन्य घटना को रोक सकते हैं। मुखबीर की सूचना पर विश्वास कर मुखबीर की सूचना को हमराही अधि0/कर्मचारियों को अवगत कराकर मय मुखबीर के नेवादा अण्डरपास के पास वाहनों को हाईवे के किनारे आड़ में खड़ा कर हम पुलिस वाले अण्डरपास के दोनो ओर छिपकर खड़े हो गये। थोड़ी देर में एक व्यक्ति कजगाँव की ओर से वाहनों की रोशनी में पैदल आता दिखाई दिया। जैसे ही वह अण्डर पास के पास आया और उसकी निगाह हम पुलिस वालों पर पड़ी तो वह पलटकर बायीं तरफ कच्चे रास्ते की ओर तेज कदमों से जाने लगा ।जिस पर टार्च की रोशनी डालते हुए रुकने को कहा गया तो उसने हम पुलिस वालों को गाली देते हुए जान से मारने की नियत से फायर

कर दिया। जिससे हम पुलिस वाले हिकमत अमली से सिखलाये गये भूमि कौशल से अपने को बचाकर आत्मरक्षार्थ व0उ0नि0 अरविन्द कुमार सिंह तथा उ0नि0 अरविन्द यादव ने अपनी सरकारी पिस्टल से एक-एक फायर किया। कुछ देर बाद बदमाश की तरफ से फायर की आवाज आना बन्द हो गया। जिस पर हम पुलिस वाले नजदीक जाकर सिखलाये गये भूमि कौशल का प्रयोग करते हुए बदमाश के पास पहुँचे तो बदमाश के बायें पैर के घुटने के नीचे गोली लगने से खून निकल रहा था। जिसे रक्त स्त्राव रोकने के लिए एक गमछे से बांधा गया। तसल्ली देकर नाम पता पूछने पर उसने अपना नाम नसीम अहमद उर्फ कल्लू कंकाली पुत्र मो0 रसीद निवासी लेदरही थाना खेतासराय जनपद जौनपुर बताया। आरोपी के दाहिने हाथ में एक पिस्टल बरामद हुई। आरोपी को जीवन रक्षार्थ जिला अस्पताल,जौनपुर भेजा गया। आरोपी नसीम अहमद उर्फ कल्लू कंकाली उपरोक्त को उसके जुर्म से अवगत कराते हुए हस्व कायदा,वजाफ्ता पुलिस हिरासत में समय-00.50 अट बजे लिया गया। आरोपी के विरुद्ध समुचित धाराओ में अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

योग भारत की प्राचीनतम धरोहर: प्रो.वंदना सिंह

◆ पीयू में योग दिवस पर सूर्य नमस्कार का आयोजन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025 के उपलक्ष्य में सोमवार को मुक्तांगन परिसर में ₹सूर्य नमस्कार₹ पर आधारित विशेष योग सत्र का आयोजन किया गया।इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह के नेतृत्व में विद्यार्थियों, प्राध्यापकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से सूर्य नमस्कार और विविध योगासन का अभ्यास किया।कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि योग भारत की प्राचीनतम धरोहर है।जो न केवल शारीरिक स्वास्थ्य, बल्कि मानसिक शांति और आत्मिक संतुलन भी प्रदान करता है। उन्होंने सूर्य नमस्कार को योग की एक अत्यंत प्रभावशाली श्रृंखला बताते हुए कहा कि यह अभ्यास सूर्य के प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हुए शरीर, मन और आत्मा का

समन्वय स्थापित करता है। कुलपति प्रो सिंह ने प्रतिभागियों को योग को जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा बनाने का संदेश देते हुए कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि एक संपूर्ण जीवन दर्शन है।जो भारतीय संस्कृति की आत्मा का प्रतिनिधित्व करता है। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी और योग प्रशिक्षक जय सिंह द्वारा प्रतिभागियों को सूर्य नमस्कार की बारह शारीरिक क्रियाओं के साथ-साथ विभिन्न योगासन व प्राणायाम की विधियां अभ्यास पूर्वक कराई गईं। प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह और अनुशासन के साथ योग सत्र में भाग लिया।इस अवसर पर कुलसचिव महेंद्र कुमार, कार्यक्रम संयोजक एवं छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. प्रमोद कुमार यादव, प्रो. विक्रम देव शर्मा, प्रो. राजकुमार, प्रो. गिरिधर मिश्र, राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. राजबहादुर यादव, उपकुलसचिव अमृत लाल, डॉ रसिकेश, डॉ. मनोज कुमार पाण्डेय सहित विभिन्न संकायों के शिक्षकगण, कर्मचारी और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

गलत अनाउंसमेंट करने से सद्भावना के यात्रियों में मच गया हड़कंप

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जौनपुर सिटी रेलवे स्टेशन पर सोमवार को 14016 आनंद विहार से रक्सौल के बीच चलने वाली सद्भावना एक्सप्रेस ट्रेन जौनपुर सिटी स्टेशन पर निर्धारित समय 6:56 से विलंब 7:53 बजे पहुंची। इसी दौरान अचानक सद्भावना ट्रेन के आने के पूर्व में वाराणसी के बजाय जौनपुर जंक्शन, औडिहार होते हुए मार्ग परिवर्तित कर जाने का गलत अनाउंसमेंट कर्मचारियों द्वारा किए जाने से जौनपुर से वाराणसी और आगे जाने वाले यात्रियों में अफरातफरी के साथ हड़कंप मच गया।

लायंस क्लब जौनपुर रॉयल ने अपने सदस्यों के लिए पारिवारिक मूवी शो का किया आयोजन

अभिताश गुप्ता, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सामाजिक संगठन लायंस क्लब सामाजिक संगठन लायंस क्लब जौनपुर रॉयल द्वारा अपने सदस्यों के मनोरंजन हेतु एक पारिवारिक मूवी शो काजौनपुर रॉयल द्वारा अपने सदस्यों के मनोरंजन हेतु एक पारिवारिक मूवी शो का कार्यक्रम नगर के एक सिनेमा

हाल में आयोजित किया गया जिसमें लायंस क्लब जौनपुर रॉयल के सदस्यों ने सपरिवार सहभागिता कर कार्यक्रम को अत्यधिक सफल बनाया इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष मधुसूदन बैंकर ने कहा क्लब इस भागदौड़ भरी व्यस्त दिनचर्या में कुछ आनन्द के पल पारिवारिक माहौल में व्यतीत करने के उद्देश्य से अपने सदस्यों को बेहतर मौका प्रदान करता रहता है इसी क्रम में मूवी शो का कार्यक्रम रखा गया है इस प्रकार के कार्यक्रम मानसिक रूप से भी काफी सेहतमंद होते? है संस्थापक अध्यक्ष अजय गुप्ता ने कहा सदस्यों का मानसिक मनोरंजन भी आवश्यक है वहीं कार्यक्रम संयोजक डॉ विष्णु गौड़ ने कहा आनन्द और सुकून के पल भी स्वस्थ जीवनशैली को मजबूती प्रदान करते हैं। क्लब द्वारा कामेडी फिल्म भूल चूक माफ दिखाया गया जिसमें क्लब के सभी सदस्यों ने अपने माता-पिता के साथ सपरिवार शामिल होकर स्वादिष्ट भोजन व स्वल्पाहार का रसास्वादन करते हुए भरपूर आनंद लिया।

बोलोरो से टकराई बाइक, एक की मौत दूसरा गंभीर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के महराजगंज थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसे में मोटरसाइकिल सवार युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा लोहिंदा चौराहे से थाना महराजगंज मार्ग पर स्थित गिट्टी प्लांट के पास हुआ। मिली जानकारी के अनुसार, प्रतापगढ़ जिले के सलाहपुर बंधवा बाजार थाना पट्टी निवासी सुभाष गौतम पुत्र लालमणि गौतम, अपने मित्र धीरेंद्र कुमार पुत्र गुरदास निवासी बिझवट, थाना महराजगंज के साथ बारात से लौट रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही बोलेरो से उनकी बाइक की टक्कर हो गई। हादसे में बाइक चला रहे सुभाष गौतम की मौके पर ही मृत्यु हो गई, जबकि पीछे बैठे धीरेंद्र कुमार घायल हो गए।हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची महराजगंज पुलिस ने मृतक के शव को मर्चरी हाउस जौनपुर भिजवाया और घायल को प्राथमिक उपचार के बाद जिला चिकित्सालय जौनपुर भेजा गया।

एमएलसी हंसराज विश्वकर्मा ने विभिन्न मार्गों के इंटरलॉकिंग कार्य का किया शिलान्यास

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के रोहनिया विधान परिषद सदस्य एवं भाजपा जिला अध्यक्ष हंसराज विश्वकर्मा ने सोमवार को रोहनिया विधानसभा क्षेत्र के कंदवा वार्ड के कंचनपुर में काशी के वाराणसी के सांसद नरेंद्र मोदी के सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास निधि योजना के अंतर्गत आर पी मिश्रा के मकान से अंश नारायण झा के मकान तक लगभग 2.35 लाख की लागत से 28 मीटर का इंटर लॉकिंग का कार्य तथा कंदवा वार्ड के अवलेशपुर में श्याम पांडेय के मकान से रानू सिंह के मकान तक लगभग 7.65 लाख की लागत से 79.50 मीटर का इंटर लॉकिंग का कार्य व कंदवा वार्ड के अवलेशपुर में राजाराम प्रजापति के मकान से मनोज चौरसिया के मकान तक लगभग 2.75 लाख की लागत से 29 मीटर का इंटर लॉकिंग का कार्य का शिलान्यास किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से सुधीर वर्मा राजू, अजय विश्वकर्मा, रामचंद्र गौतम, सुरेश पटेल उर्फ गुड्डू, भोला विश्वकर्मा, श्याम भूषण शर्मा, हीरालाल विश्वकर्मा, श्याम सुंदर विश्वकर्मा उर्फ बाबू, विनोद कुमार सिंह, गोपाल, जितेंद्र केशरी, गौरव पटेल इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

वाराणसी नेशनल हाईवे पर प्राइवेट बस व कार में भीषण टक्कर, कार सवार दो की हालत नाजुक

डॉ.इम्तियाज अहमद

आजमगढ़ (उत्तर शक्ति)। वाराणसी-आजमगढ़ नेशनल हाईवे चक्कर में एक कार को टक्कर मारते हुए नहर में जा गिरी प्राइवेट बस। कार सवार दो युवक गंभीर रूप से

पर प्राइवेट बस और कार में भीषण टक्कर होने के कारण कार आगे से पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई तेज रफ़्तार बस ने कार को साइड से मारी थी टक्कर। राहगीरों को बचाने के घायल हो गये। बस में सवार यात्रियों की चीख पुकार मचाने लगी। मौके पर पहुँचकर राहगीर व पुलिस की मदद से सभी को सकुशल बाहर निकाला गया। वही नहर से बाहर कार सवार दोनों युवकों की हालत गंभीर देखते हुए। हायर सेंटर रेफर किया गया, बस में सवार कुछ यात्रियों को हल्की चोटें आई। यह दुर्घटना रानी की सराय थाना क्षेत्र के कोटिला एनएच-233 पर आज सुबह हुई थी। समाचार लिखे जाने तक चोटिल लोगो को उपचार के लिए भेजा जा चुका था।

जिम्मेदार अधिकारियों की मनमानी के कारण शो पीस बना 5 माह से बिगड़ा हुआ हैण्डपम्प

गांव के लोगों ने शिकायती पत्र भेजकर कार्यवाही करने की उठाई आवाज

केराकत, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। केराकत विकास खण्ड क्षेत्र के ग्राम सभा सुल्तानपुर के ग्राम आग के शोले बरसा रही इस भीषण गर्मी में लगभग 5 माह से हैण्ड पम्प खराब पड़ा होने के कारण एक-एक बूंद पानी के लिऐ दर-दर भटकने को मजबूर हैं। ग्राम पंचायत सेक्रेटरी, क्षेत्रीय लेखपाल तक से लेकर स्थानीय प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों तक गुहार लगाऐ जानें के 5 माह बाद भी, हैण्ड पम्प ठीक नहीं कराया जा सका है। ठीक कराये जाने के नाम पर मात्र झूठा आश्वासन ही मिल रहा है। चर्चा है कि सेक्रेटरी, और हल्का लेखपाल दोनों ही सरकार विरोधी गतिविधियों में लिप्त होने और सरकार को बदनाम करने के कार्य में लगे हुए हैं। ताकि जनता सरकार से नाराज हो जाय। यही कारण है कि बूंद-बूंद पानी के लिऐ 5 माह से तरह रहे लोगों को पानी उपलब्ध कराने के बाद पड़े हैण्ड पम्प को आज तक ठीक नहीं कराया गया। इस सम्बन्ध में ग्राम वासी, आफताब आलम, असलम, अन्सार, अबरार, नसीम अन्सार, इरफान, अबूसैफ, कामरान समेत बस्ती और अन्य वर्ग के लोगों ने उच्चाधिकारियों को शिकायती पत्र भेजकर तत्काल कार्रवाई की मांग की है।

वाराणसी में अलग-अलग जगहों पर दो अज्ञात व्यक्तियों के शव मिलने से सनसनी

मौके पर पुलिस पहुँच जाँच में जुटी

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के भेलुपूर थाना क्षेत्र के श्री रामचंद्र शुक्ल चौराहे के पास सोमवार को उस समय हड़कंप मच गया।जब दो अज्ञात व्यक्तियों के शव मिले। दोनों शव आसपास की दो दुकानों के पास पाए गए, जिसके बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई। स्थानीय राजस्थानी दुकानदारों ने तुरंत भेलुपूर थाने को फोन कर इसकी सूचना दी।सूचना मिलते ही एसीपी भेलुपूर, इंस्पेक्टर भेलुपूर, फॉरेंसिक टीम और पुलिस बल मौके पर पहुंच गया। पुलिस ने घटनास्थल की जांच शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि एक मृतक शराब का आदी था।जबकि दूसरा व्यक्ति भीख मांगकर अपना गुजारा करता था। मृतकों की उम्र क्रमशः 60 और 55 वर्ष बताई जा रही है।

घटना की खबर फैलते ही मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। एसीपी भेलुपूर डॉ. इशांत सोनी ने बताया कि अभी तक दोनों मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस शिनाख्त के प्रयास में जुटी है। दोनों शवों को कब्जे में लेकर मर्चरी में रखवा दिया गया है। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है ताकि मौत के कारणों और मृतकों की पहचान का पता लगाया जा सके।फिलहाल, पुलिस और फॉरेंसिक टीम हर पहलू की जांच में जुटी है, और क्षेत्र में स्थिति नियंत्रण में है। आगे की जांच के बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा हो पाएगा।

टैम्पो चालक को गोली मारने के तीन आरोपी गिरफ्तार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ के निर्देशन में अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे ।अभियान के तहत केराकत पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। केराकत क्षेत्र में टैम्पो चालक पर गोली चलाने की सनसनीखेज घटना का सफल अनावरण करते हुए पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।इनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त एक तमंचा मय कारतूस तथा एक मोटरसाइकिल भी बरामद की गई है।घटना का विवरणः

दिनांक 29 मई 2025 को केराकत कस्बे में टैम्पो चालक प्रदीप यादव निवासी ग्राम चेवार पैठहा, थाना देवगांव, जनपद आजमगढ़ के साथ सड़क पर साइड देने को लेकर विवाद हुआ था। विवाद इतना बढ़ा कि आरोपियों ने प्रदीप यादव को मारने की नियत से गोली चला दी। घटना के बाद मौके पर पुलिस और वरिष्ठ अधिकारी पहुंचकर जांच में जुट गए थे। प्रदीप यादव की तहरीर पर केराकत थाने में संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। गिरफ्तारी और बरामदगी। प्रभारी निरीक्षक अवनीश राय के नेतृत्व में पुलिस टीम ने इलेक्ट्रॉनिक और

मैनुअल साक्ष्यों के आधार पर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया।मुकेश सोनकर पुत्र मदन सोनकर, निवासी मेंहदीतला, केराकत कब्जे से .32 बोर का एक तमंचा, एक खोखा कारतूस और दो जिंदा कारतूस बरामद।वकील सोनकर पुत्र बहादुर सोनकर, निवासी नरहन (खान चौराहा), केराकत झ कब्जे से घटना में प्रयुक्त अपाचे मोटरसाइकिल (वढ65 इह 7298) बरामद।करन सरोज पुत्र मुन्नालाल सरोज, निवासी देवकली, केराकत।पूछताछ में हुआ खुलासा। मुख्य आरोपी मुकेश सोनकर ने बताया कि उसका जीजा संदीप टैम्पो चालक से सड़क पर टकरा गया था, जिससे कहासुनी हो गई। इस पर संदीप ने उसे मौके पर बुलाया। मुकेश अपने साथियों के साथ वहां पहुंचा और झगड़े के दौरान गोली चला दी गई। अपराधिक इतिहास।मुख्य आरोपी मुकेश सोनकर के विरुद्ध पूर्व में भी थाना केराकत में गंभीर धाराओं में मामला दर्ज है, जिसमें एक केस वर्ष 2016 का भी शामिल है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को आकर्षक व प्रभावशाली बनाने हेतु बयालसी पीजी कॉलेज में रणनीति तय

जलालपुर,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को अधिक प्रभावी एवं आकर्षक बनाने हेतु बयालसी महाविद्यालय जलालपुर जौनपुर में रविवार को ₹चंदन वाटिका एवं तालाब: प्रकृति की गोद में विश्रामः एवं सोमवार को 'सामूहिक सूर्य नमस्कार: उर्जा और एकाग्रता का अनुभव' कार्यक्रम को संचालित किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय में स्थित वृक्षों के नीचे प्र?कृति की गोद में सुबह के मनोरम वातावरण में तालाब की परिकल्पना को साकार करते हुए योग के विविध आयाम, लाभ एव संचालन पर विस्तृत चर्चा की गयी। दिनांक 02 जून 2025 को सामूहिक सूर्य नमस्कार का क्रमवार छात्र छात्राओं को अभ्यास कराया गया। अभ्यास के बाद सूर्य नमस्कार में सम्मिलित 12 उप-आसनों का अभ्यास किया गया। सूर्य नमस्कार प्रदर्शन महाविद्यालय के शारीरिक शिक्षा के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ संजय नारायण सिंह ने किया। महाविद्यालय की छात्रा स्वेता पटेल (द्वितीय सेमेस्टर) ने भी अभ्यास कराया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या डा.अलकेश्वरी सिंह ने योग पर विस्तृत व्याख्यान दिया। साथ में डॉ.बृजेश कुमार मिश्र, डा.अखिलेश चंद्र सेठ, डॉ. अंशुमान सिंह, डॉ.आशुतोष पाण्डेय, डॉ.अनिल कुमार, डा. जय सिंह, डॉ.सीमा सिंह, प्रकाश चंद्र कसेरा, सोमरु राम, सफीउल्लाह अंसारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना, रोवर्स रेंजर्स एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर, के छात्र छात्राओं की उपस्थिति रही।

जलालपुर पुलिस ने मुठभेड के दौरान आरोपी को किया गिरफ्तार

जलालपुर,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। डा0 कौस्तुभ, पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देशन में अपराध व अपराधियों पर अंकुश एवं प्रभावी नियन्त्रण बनाये रखने हेतु अभियान के क्रम में थाना जलालपुर पुलिस टीम द्वारा 01 शातिर आरोपी को पुलिस मुठभेड के दौरान घायलावस्था में किया गया गिरफ्तार, आरोपी के कब्जे से 01 देशी तमन्चा .315 बोर व 01 खोखा कारतूस .315 बोर, 01 जिन्दा कारतूस .315 बोर व 01 मोटर साईकिल बिना नम्बर प्लेट के बरामद हुआ।

गिरफ्तारी का विवरणः दिनांक 02.06.2025 को थानाध्यक्ष त्रिवेणी सिंह मय हमराह हे0का0 पियूष सिंह का0 अजय चौहान मय सरकारी वाहन मय चालक दीपक मौर्या के मय रात्रि अधिकारी उ0नि0 रोहित राज यादव तथा उ0नि0 रात्रि गश्त द्वितीय मोबाईल के उ0नि0 रामअवतार यादव हे0का0 खुर्शीद आलम का0 श्यामप्रकाश बनारस से रेहटी गाव के पास हाईवे पर बनारस से लखनऊ जाने वाली लेन पर चेकिंग कर रहे थे कि वाराणसी की तरफ से 01 मोटर साइकिल तेज गति से पुलिस वालो की तरफ आता हुआ दिखाई दिया कि कि मोटर साइकिल सवार को टार्च

की रोशनी से रोकने का इशारा किया गया तो वह व्यक्ति पुलिस वालो को देखकर हाईवे लेन से सटे बगीचे की तरफ मुडकर भागने लगा हम पुलिस वाले मोटर साइकिल उपरोक्त का पीछा करने लगे तो वह बगीचे से छितौना लोहगाजर मार्ग की तरफ भागने का प्रयास किया कि अनियंत्रित होकर मार्ग के किनारे फिसलकर गिर गया पुलिस वालो को अपनी तरफ आते देखकर पकडे जाने के डर से पुलिस को लक्ष्य करके जान से मारने की नियत से असलहे से फायर कर दिया जिससे पुलिस वाले बाल बाल बच गये आत्मसपर्पण की चेतावनी देने के बाद पुनः असलहे को लोड करने लगा कि थानाध्यक्ष त्रिवेणी सिंह द्वारा फायर किया गया जो उक्त बदमाश के दाहिने पैर में लगी। और जमीन पर गिरकर कराहने लगा। कि सावधानी पूर्वक उस घायल बदमाश के पास पहुंचकर हम पुलिस वालों द्वारा उसका नाम पता पूछा गया तो अपना नाम किशन सरोज उर्फ भोथू पुत्र रामचन्द्र सरोज निवासी सैदपुर थाना जलालपुर जनपद जौनपुर उम्र करीब 20 वर्ष बताया। जिसके कब्जे से 01 देशी तमन्चा .315 बोर व 01 खोखा कारतूस .315 बोर, 01 जिन्दा कारतूस .315 बोर व 01 मोटर साईकिल बिना नम्बर प्लेट बरामद कर हुआ। घायल आरोपी को जीवन रक्षार्थ तत्काल पुलिस अभिरक्षा में लेकर प्राथमिक इलाज हेतु सीएचसी रेहटी भेजा गया ।एवं अन्य विधिक कार्यवाही की जा रही है।

یسریٰ حکیمی دواخانہ
Regd.No20230048
युसरा हकीमी दवाखाना
हमारी कोशिश, आपका विश्वास...
उपलब्ध सुविधायें-
- गठिया व जोड़ो के दर्द का इलाज
- बवासीर का इलाज बगैर आपरेशन के
- चर्म रोग व पेट की तमाम बीमारियों का इलाज
- बालों का झड़ना, सफेद दाग मुहासे व छाइयों का इलाज होता है ।
- नि:संतान का अचूक इलाज
- शुगर कन्ट्रोल का इलाज

मंगलवार बंदी बाक़ी दिन का सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक
Mob.: 9198443844, 8960275665
नोट- पुरुषों व महिलाओं के गुप्त रोगों से सम्बन्धित सभी प्रकार के रोगों का ईलाज किया जाता है ।
अब हर जुमा को सुबह 10 बजे से 11 बजे तक
सफेद दाग के मरीजों को मुफ्त दवा मिलेगी यह सन् 2025 के अन्त तक जारी रहेगा।
पता- बड़ी मस्जिद, पूर्वी गेट के सामने जौनपुर (उ.प्र.)

राष्ट्र के निर्माण में शिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान: पूर्व आईजी बीपी त्रिपाठी

सुल्तानपुर। विद्यार्थियों को शिक्षित और संस्कारित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह कर रहे नारायण ज्ञान धाम परिवार, बीबीपुर तिवारी द्वारा रविवार, 1 जून को नारायण ज्ञान धाम परिसर में लघु माध्यमिक विद्यालय, शहाबुद्दीनपुर के सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक ब्रजभूषण तिवारी का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पंडित शीतला प्रसाद मिश्र ने की। कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि के रूप में विज्ञान के पूर्व प्रवक्ता रामलाल गुप्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के संयोजक के रूप में उपस्थित नारायण ज्ञान धाम के संस्थापक तथा उत्तर प्रदेश के पूर्व आईजी बीपी त्रिपाठी ने कहा कि शिक्षक कभी भी सेवानिवृत्त नहीं होता। वह अपने अंतिम सांस तक ज्ञान की रोशनी विखेरता रहता है। राष्ट्र के निर्माण में शिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान है। इस अवसर पर राज्य कर विभाग की सहायक आयुक्त डॉ दिव्या त्रिपाठी, चंद्रभूषण तिवारी, रामपाल मिश्र तथा देवेश ने अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर अनेक क्षेत्रीय जन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन पत्रकार हरिश्चंद्र श्रीवास्तव ने किया।

एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के टॉप-100 में सर्वाधिक 46 स्टूडेंट्स

पटना (उत्तरशक्ति)। आईआईटी कानपुर ने जेईई-एडवांस्ड 2025 के रिजल्ट जारी कर दिए हैं। एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट का क्वालिटी और क्वांटिटी दोनों तरह से बेहतर रिजल्ट रहा है। परिणाम की घोषणा के साथ ही एलन पटना में जोश और उत्साह का माहौल है। कोटा में आयोजित सफलता के उत्सव में एलन के निदेशक डॉ. गोविन्द माहेश्वरी, राजेश माहेश्वरी, डॉ.नवीन माहेश्वरी व डॉ. बृजेश माहेश्वरी ने टॉपर्स व उनके अभिभावकों का स्वागत किया तथा एलन पटना में आयोजित कार्यक्रम में सेंटर हेड चेतन शर्मा टॉपर्स को व उनके अभिभावकों को सम्मानित किया। एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के सीईओ नितिन कुकरेजा ने बताया कि एलन कोटा ने आल इंडिया टॉपर के साथ टॉप-10 में 4 रैंक दी है। कोटा ने लगातार दूसरे वर्ष क्लासरूम प्रोग्राम से आल इंडिया टॉपर दिया है। कोटा निवासी और एलन कोटा क्लासरूम छात्र राजित गुप्ता ने 360 में से 332 अंक प्राप्त कर आल इंडिया रैंक-1 प्राप्त की है। एलन कोटा क्लासरूम स्टूडेंट सक्षम जिंदल एआईआर-2 पर, अक्षत कुमार चौरसिया एआईआर-06 और देवेश पंकज भैया एआईआर- 08 पर रहे। इसके साथ ही टॉप-20 में एआईआर-13 पर वेदांश गर्ग, एआईआर-14 पर रित्विक खंडेलवाल एलन कोटा क्लासरूम से रहे। नितिन कुकरेजा ने बताया एलन के क्लासरूम कोर्स से ऑल इंडिया टॉप-10 में 4 स्टूडेंट्स रहे। टॉप-20 में एलन के 8 स्टूडेंट्स, टॉप-50 में 21 और टॉप-100 में 46 स्टूडेंट्स रहे हैं। इसमें 42 स्टूडेंट्स एलन क्लासरूम से, 3 स्टूडेंट एलन ऑनलाइन टेस्ट सीरीज से तथा 1 स्टूडेंट डिस्टेंस लर्निंग से रहे। नितिन कुकरेजा ने कहा कि क्वालिटी के साथ-साथ क्वांटिटि की बात करें तो बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स आईआईटी की काउंसलिंग के लिए क्वालिफाई हुए हैं। गत वर्ष आईआईटी में प्रवेश लेने वाला हर चौथा स्टूडेंट एलन से था, 17740 सीटों में से 4425 से अधिक स्टूडेंट्स एलन के सलेक्ट हुए। देश के आईआईटीयन्स का ड्रीम डेस्टिनेशन माने जाने वाले आईआईटी मुम्बई की कम्प्यूटर साइंस ब्रांच में 2024 में एलन के 63 स्टूडेंट्स ने प्रवेश लिया। चेतन शर्मा ने बताया कि एलन पटना का पहला साल बेमिसाल रहा और रिजल्ट विश्वास के अनुरूप ही आया। अनिश आर्यन ने एलन पटना में टॉप किया और 30 से ज्यादा छात्रों ने आईआईटी के लिए क्वालीफाई किया।

लासा गाँव में चोरो ने घर में घुसकर डेढ़ लाख नकदी सहित लाखो का आभूषण चोरी

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। मीरगंज थाना क्षेत्र के लासा गाँव मे बीती रात चोरो ने घर में घुसकर डेढ लाख नकदी सहित लाखो का आभूषण पार कर दिया सुबह जगने पर मकान मालिक को चोरी की जानकारी हुई मौके पर पहुची डायल 112 पुलिस ने मीरगंज पुलिस को सूचना दी मीरगंज पुलिस मौके पर पहुच कर जांच मे जुट गयी है। उक्त गाँव मे लाल जी तिवारी उर्फ लाली अपने मकान के बाहर सोये हुए थे। उनकी पत्नी बगल के आवास मे सोई थी ।चोर मेन दरवाजे से अन्दर प्रवेश कर घर के अन्दर कई कमरो का ताला तोड़कर पांच बडी लोहे का बक्शा घर के पीछे ले जाकर तोडकर उसमे रक्खे आभूषण व नकदी पार कर दिया। मकान मालिक के अनुसार लगभग डेढ लाख नकद व आभूषण मे एक बडा सोने का मंगलसूत्र, छोटा सोने का मंगलसूत्र चांदी की पायल, चांदी की बिछीया चांदी का छागल, कान का सोने का आयरन, चांदी का कमरकर्धन चुरा ले गये लगभग 5 लाख की चोरी हुई है। सूबह घटना की जानकारी होने पर डायल 112 पुलिस को सूचना दी गयी सूचना मिलने पर हल्का पुलिस व थानाध्यक्ष मौके पर पहुच कर छानबीन किया।

सामर्थ्य क्लासेस के छात्रों ने जेईई एडवांस 2025 की परीक्षा में लहराया परचम

पटना (उत्तरशक्ति)। सामर्थ्य क्लासेस के नौनिहालों ने आईआईटी, जेईई एडवांस 2025 की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए एक बार पुनः शिक्षा जगत के पटल पर अपने सूबे तथा अपने संस्थान का नाम रौशन किया है। इस वर्ष सामर्थ्य क्लासेस के कुल चार छात्रों ने आईआईटी, जेईई, एडवांस - 2025 की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए आईआईटी में अध्ययन के अपने सपनों को पूरा करने के लिए अपना नाम सुनिश्चित किया है। इस वर्ष सामर्थ्य क्लासेस से उत्तीर्ण छात्रों मे पाणिनी (ऑल इंडिया रैंक - 273), अभिषेक (ऑल इंडिया रैंक - 729), आर्यन (4772), सिद्धार्थ झा (ऑल इंडिया रैंक - 13900) ने जेईई एडवांस में सफलता प्राप्त किया। छात्र पाणिनी ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, संस्थान और अपने गुरुजनों को दिया है। पाणिनी की माता निभा कुमारी (शिक्षिका) एवं पिता संजय कुमार शर्मा, मीनापुर राई हाई स्कूल के प्रधानाध्यापक हैं का कहना है कि सामर्थ्य क्लासेज के निदेशक सुमित कुमार सर का मैं आभारी हूँ जिन्होंने मेरे बच्चे का कुशल नेतृत्व एवं उचित मार्गदर्शन कर सफलता के सूत्र को दिग्दर्शित कराया है। वहीं अभिषेक के माता- पिता का कहना है की सुमित सर ने हमारी आर्थिक स्थिति को देखते हुए हमारी मदद की और मेरे बच्चे का सही मार्गदर्शन करा कर उसे मंजिल तक पहुंचाने का कार्य किया है। सामर्थ्य प्रमुख सुमित सिंह ने सभी सफल अभ्यर्थियों को अशेष शुभकामनाएं दीं । सफल छात्रों ने सफलता के लिए अपने शिक्षकों एवं अभिभावकों को धन्यवाद करते हुए अन्य जूनियर छात्रों को अधिक परिश्रम एवं परीक्षा में मानसिक शांति बनाए रखने की सीख दी। विदित हो की सामर्थ्य क्लासेस विगत आठ वर्षों से अनवरत उत्कृष्ट परिणाम देकर छात्रों के आईआईटी एवं मेडिकल कॉलेज में अध्ययन के सपने को साकार कर रहा है।

एमार इंडिया ने लखनऊ में गगनचुंबी आवासीय परियोजना 'एलीट ओएसिस' की घोषणा की

मुंबई। विश्वप्रसिद्ध ब्रांड एमार की भारतीय इकाई, एमार इंडिया ने उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के प्रमुख क्षेत्रों में से एक गोमती नगर एक्सटेंशन में अपनी पहली उच्च आवासीय परियोजना एलीट ओएसिस के शुभारंभ की घोषणा की है।लगभग 2.923 एकड़ (11,827 वर्ग मीटर) क्षेत्र में विकसित इस परियोजना में आधुनिक सुविधाओं, सुविधाजनक जीवन और उच्च स्तरीय जीवनशैली के बेहतरीन मिश्रण को डिजाइन सौंदर्य के साथ मिलाया गया है।

इस परियोजना को अनूठी डिजाइन पेश करने के लिए सोच-समझकर नियोजित किया गया है ह्यएलीट ओएसिस न केवल शहर की आकाशरेखा (स्काईलाइन) को नया रूप देगी, बल्कि शहरी विकास में भी एक महत्वपूर्ण उपलब्धि सिद्ध होगी। यहाँ से एक ओर गोमती ग्रीन्स की हरियाली और दूसरी ओर गोमती नदी का मनोहारी दृश्य दिखाई देगा।

एलीट ओएसिस में 3 बीएचके आवास + उपयोगिता क्षेत्र और 4 बीएचके आवास + उपयोगिता क्षेत्र की दो श्रेणियाँ उपलब्ध होंगी, जो उन लोगों के लिए विशेष रूप से तैयार की गई हैं, जो भव्य और आरामदायक जीवन जीने की इच्छा रखते हैं। 3 बीएचके की कीमत 2.75 से 2.90 करोड़ रुपये के बीच होगी, जबकि 4 बीएचके की कीमत 3.87 से 4.15 करोड़ रुपये के बीच होगी। इन आवासों में डेक के रूप में खुलने वाली बाल्कनी दी गई है, जो दोनों ओर से खुली हवा और प्राकृतिक रोशनी का अनुभव कराती हैं। इनसे बैठक कक्ष, मुख्य शयनकक्ष और बालकनी से एक विस्तृत और मनमोहक दृश्य दिखता है।

अन्य प्रमुख विशेषताओं में बैठक एवं भोजन कक्ष में आयातित संगमरमर का फर्श, बालकनी में बिना जोड़ की काँच की रेलिंग, मुख्य स्नानगृह में अलग स्नान खंड, और सभी स्नानगृहों में सुंदर श्रृंगार काउंटर शामिल हैं।

चंद्रमा ऋषि आश्रम में जनपदस्तरीय योग का मुख्य आयोजन

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी रविंद्र कुमार ने 15 से 21 जून तक आयोजित होने वाले योग सप्ताह की तैयारियों की समीक्षा की और अधिकारियों को व्यापक स्तर पर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। डीएम ने सिलनी नदी के तट पर स्थित चंद्रमा ऋषि आश्रम को जनपद स्तरीय योग आयोजन का मुख्य स्थल चुना। उन्होंने आश्रम परिसर की साफ-सफाई और अन्य व्यवस्थाएं अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत और खंड विकास अधिकारी के समन्वय से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। अधिशासी अभियंता सिंचाई को नदी के 200 मीटर क्षेत्र को जाल डालकर स्वच्छ करने और अधिशासी अधिकारी नगर पालिका को मुख्यालय स्तर पर तीन योग पार्कों का चयन कर 10 दिनों में तैयारियां पूरी करने का निर्देश दिया। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में उन्होंने जनपद मुख्यालय, तहसील, ब्लॉक, ग्राम पंचायतों, स्कूलों और सार्वजनिक स्थानों पर योग संगम आयोजित करने का आह्वान किया। इसके बाद उन्होंने चंद्रमा ऋषि आश्रम का निरीक्षण किया। डीएम ने आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी को प्रशिक्षित योग प्रशिक्षकों की सूची तैयार कर उनकी तैनाती सुनिश्चित करने, बेसिक और माध्यमिक शिक्षा अधिकारियों को स्कूलों में योग सप्ताह आयोजित करने और आयुष ऐप को अधिक से अधिक डाउनलोड कराने के निर्देश दिए। योग मुद्राओं की फोटो खींचकर पोर्टल पर अपलोड करने की भी हिदायत दी गई। जिलाधिकारी ने कहा कि योग सप्ताह का उद्घाटन 15 जून को भव्य रूप से होगा, जिसमें ग्राम प्रधानों और जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाएगा।

सूर्य से मिट्टी तक: MSKVY 2.0 के तहत अवादा की प्रतिबद्धता

मुंबई। अवादा ग्रुप महाराष्ट्र सरकार की मुख्यमंत्री सौर कृषि वाहिनी योजना (टरडश) के सफल क्रियान्वयन में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। इस अग्रणी योजना का उद्देश्य सौर ऊर्जा के माध्यम से कृषि क्षेत्र में बदलाव लाना है। इस योजना के जरिए अवादा राज्य के कृषि क्षेत्र को एक स्थायी ऊर्जा क्रांति की ओर ले जा रहा है, जिससे विकेंद्रीकृत सौर ऊर्जा के माध्यम से ग्रामीण महाराष्ट्र में लाखों लोगों के जीवन को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया जा रहा है।

यह योजना 2017 में शुरू हुई थी, जिसका मुख्य उद्देश्य कृषि-बहुल उपकेंद्रों के पास सौर परियोजनाएँ स्थापित करके किसानों को दिन के समय भरोसेमंद बिजली उपलब्ध कराना था। इसकी सफलता और सकारात्मक प्रभाव को देखते हुए, महाराष्ट्र सरकार ने इस कार्यक्रम का विस्तार करते हुए टरडश 2.0 (मिशन 2025) की शुरूआत की। इसका लक्ष्य 2025 तक राज्य के 30% कृषि फीडरों को सौर ऊर्जा से जोड़ना है, जिसके लिए पूरे राज्य में 7,000 मेगावाट (7 गीगावाट) की सौर क्षमता स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है।

ये विकेंद्रीकृत परियोजनाएँ, जिनकी क्षमता 0.5 मेगावाट से 25 मेगावाट तक है, कृषि-प्रधान क्षेत्रों में वितरण उपकेंद्रों के 5-10 किलोमीटर के दायरे में विकसित की जा रही हैं। इससे किसानों को दिन के समय लगातार बिजली मिल रही है, जिससे कृषि कार्यों की उत्पादकता और दक्षता में उल्लेखनीय सुधार हो रहा है। इस परियोजना में एक प्रमुख भागीदार के तौर पर, अवादा नासिक, पुणे, सांगली, यवतमाल, अहमदनगर, बीड, अमरावती, हिंगोली, धाराशिव और सोलापुर जैसे महत्वपूर्ण जिलों में कुल 1,132 मेगावाट (एसी) की सौर परियोजनाएँ क्रियान्वित कर रहा है। ये परियोजनाएँ ग्रामीण समुदायों और किसान बस्तियों में ऊर्जा परिदृश्य को बदल रही हैं, महँगे डीजल पर निर्भरता कम कर रही हैं और स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को सशक्त बना रही हैं। अवादा के क्रियान्वयन को जो बात सबसे अलग बनाती है, वह है इसका संपूर्ण दृष्टिकोण – जिसमें प्रौद्योगिकी का उपयोग, सामुदायिक सहभागिता और निरंतर संचालन व रखरखाव (ड&ट) समर्थन शामिल है। यह प्रयास अवादा ग्रुप के चेयरमैन श्री विनीत मित्तल की दूरदर्शिता को दशार्ता है, जो लंबे समय से समावेशी और जमीनी स्तर पर संचालित ऊर्जा बदलावों के पक्षधर रहे हैं, जो न केवल प्रभावी हों बल्कि सामाजिक रूप से सशक्त भी करें।

वीर शहीदों को समर्पित श्रद्धांजलि सभा

वसई रोड। बालाजी मंदिर, वसई रोड, सनसिटी परिसर में ऑपरेशन सिंदूर₹ के अमर बलिदानियों को नमन एवं श्रद्धांजलि अर्पित करने हेतु एक भव्य व भावपूर्ण सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सनसिटी के निवासियों ने गहन राष्ट्रभक्ति और श्रद्धा के साथ अपनी सहभागिता दी। कार्यक्रम का शुभारंभ नन्हे बालकों की चित्रकला प्रतियोगिता से हुआ। इन बाल कलाकारों ने अपनी कल्पनाशीलता और रंगों के माध्यम से मातृभूमि के प्रति प्रेम, शौर्य और बलिदान की भावनाओं को जीवंत किया। बच्चों के चित्रों में लहराता तिरंगा, गूंजते जयघोष और वीर सैनिकों के अदम्य साहस की गाथा साकार हो उठी। इसके पश्चात बजरंग दल के जिला प्रमुख देवेंद्र जेनाजी ने अपनी ओजस्वी वाणी में देशभक्ति की भावना का संचार किया। उनका प्रेरक वक्तव्य उपस्थित जनसमूह को गर्व और उत्साह से भर गया, मानो राष्ट्रसेवा का संकल्प प्रत्येक हृदय में फिर से जागृत हो गया हो। कार्यक्रम में अविनाश ने बाल संस्कारों की अनिवार्यता पर विचार प्रकट किए। उन्होंने बताया कि आधुनिक एकल परिवारों में संस्कारों की उपेक्षा राष्ट्र के भविष्य के लिए चिंताजनक है। उन्होंने बाल संस्कार हेतु साप्ताहिक कक्षाओं की योजना प्रस्तुत करते हुए सनसिटी के समर्पित स्वयंसेवकों से इस महान कार्य में सहभागी बनने का आह्वान किया। पारेख के सान्निध्य में प्रस्तुत देशभक्ति गीत ने संपूर्ण वातावरण को श्रद्धामय, भावविभोर और ऊजार्वान बना दिया। गीत की स्वर लहरियों में राष्ट्र के प्रति निष्ठा और समर्पण की अनुगूंज गूंजती रही। अंत में अशोक कुमावत ने अपनी ओजपूर्ण और मार्मिक कविता के माध्यम से इस कार्यक्रम का भावभीना समापन किया। उनकी पंक्तियों ने शहीदों की अमर स्मृति को शब्दों में साकार कर दिया। कार्यक्रम का सफल संचालन श्रीमती नीतू सिंह द्वारा किया गया। अंत में उन्होंने श्रीमती (नाम), सभी माताओं, बहनों और सहभागी नागरिकों का हृदय से आभार व्यक्त किया, जिनके सहयोग से यह श्रद्धांजलि सभा सफल एवं स्मरणीय बनी।

सांसद ने किया सड़क का नरीक्षण

वसई रोड। वसई रोड स्थित वसई फाटा सड़क का निरीक्षण, कार्य प्रगति की समीक्षा वसई रोड क्षेत्र में स्थित वसई फाटा सड़क का हाल ही में निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर संबंधित एजेंसियों द्वारा सड़क की योजना, निर्माण की स्थिति और कार्य की प्रगति की व्यापक समीक्षा की गई। इस निरीक्षण दौरे में पालघर के सांसद डॉ. हेमंत सावरा, महाराष्ट्र राज्य के वन मंत्री एवं पालघर जिले के पालकमंत्री गणेश नाइक, जिला कलेक्टर श्रीमती इंदुरानी जाखड़, वसई-विरार महानगरपालिका के आयुक्त अनिल कुमार पवार, विधायक राजन नाइक, जिला अध्यक्ष श्रीमती प्रज्ञाताई पाटिल, पूर्व जिला अध्यक्ष महेंद्र पाटिल समेत विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि नागरिकों की रोजमर्रा की आवश्यकताओं से जुड़ी इस बुनियादी परियोजना में गुणवत्ता और गति का संतुलन सुनिश्चित किया जाए। सभी संबंधित एजेंसियों को कार्यों की समन्वित रूप से निगरानी करते हुए समयबद्ध पूर्णता के निर्देश दिए गए हैं।

विधायक स्नेहा दुबे पंडित की पहल से हुआ निर्णय, महिलाओं ने जताया आभार

वसई-विरार। वसई-विरार शहर महानगरपालिका की परिवहन सेवा में महिलाओं को अब टिकट किराए में 50 प्रतिशत की छूट मिलेगी। यह निर्णय 1 जून 2025 से लागू किया गया है। इस महत्वपूर्ण सुविधा के पीछे वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित की पहल रही। उन्होंने राज्य सरकार की एसटी बसों में महिलाओं को दी जा रही रियायत को ध्यान में रखते हुए महानगरपालिका को पत्र लिखकर वसई-विरार परिवहन सेवा में भी यही छूट लागू करने की मांग की थी। महानगरपालिका आयुक्त अनिल कुमार पवार ने विधायक को लिखित पत्र भेजकर सूचित किया कि यह छूट 1 जून 2025 से लागू कर दी जाएगी। इस फैसले का क्षेत्र की महिलाओं ने हर्षपूर्वक स्वागत किया और विधायक स्नेहा दुबे पंडित का आभार व्यक्त किया। इस

मौके पर भाजपा वसई रोड मंडल अध्यक्ष महेश सरवणकर के नेतृत्व में बस स्थानक पर महिलाओं को गुलदस्ते देकर बधाई दी गई। इस कार्यक्रम में भाजपा वसई रोड मंडल के कई पदाधिकारी उपस्थित थे, जिनमें प्रमुख नाम हैं। दीपक शर्मा, अर्जुन इंगोले, चेतन पागे, साधना धुरी, मयंक सेठ, रितेश सत्यनाथ, शिला अय्यर, बबीता शर्मा, रूमा शर्मा, आयुषी बागड़िया, निकिता बागड़िया, विजय शाह, अशोक खरपुड़े, बकुल मेहता, जयेश घरत, मनीष राठौड़, श्रीनिवास कोठारे, सुनील सुले, राजेश गायकवाड़, जितेंद्र वेंगुर्लेकर, अजय जाधव, कल्पेश चौहान सहित अन्य पदाधिकारी।

पत्रकार महेंद्र पाण्डेय ने सुरेश दुबे को दी जन्म दिन की बधाई

मीरा रोड (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा के महाराष्ट्र प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेश दुबे को जन्म दिन पर वरिष्ठ पत्रकार महेंद्र पाण्डेय ने मित्रों के साथ जन्म दिन की बधाई दिए। उत्तर भारतीय समाज में सरल स्वभाव के धनी सुरेश दुबे की अलग पहचान है। भाजपा नेता एवं समाज सेवक राजकुमार मिश्रा ने जन्म दिन पर बधाई देते हुए कहा कि सामाजिक एवं राजनीतिक स्तर पर सुरेश दुबे बहुत ही उम्दा सोच है। वरिष्ठ समाज सेवक रत्नाकर मिश्र ने कहा कि हमेश अपने बड़ों का मान सम्मान करना सुरेश दुबे अपना दायित्व समझते है। गोल्डेन नेस्ट स्थित कार्यालय में जन्म दिन की बधाई देने वालो में राजकुमार मिश्रा, वरिष्ठ समाज सेवक रत्नाकर मिश्र, अधिवक्ता डी के पाण्डेय, भाजपा नेता संदीप तिवारी, भाजपा वरिष्ठ नेता बृजेश तिवारी, अधिवक्ता प्रमथेश शुक्ला, रवि तिवारी, अधिवक्ता मनीष तिवारी, सुरेंद्र तिवारी, मनीष मिश्र, स्वामी नाथ पाण्डेय ओम पाण्डेय, सुरज तिवारी के साथ साथ सैकड़ों की संख्या में शुभ चिंतकों ने बधाई दी।

मलशिल स्थित महाकालेश्वर मंदिर पर रुद्राभिषेक संपन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद जौनपुर विकास खंड मड़ियाहूं , पोस्ट मेहदी ग्राम मलशिल निवासी पंडित राजेन्द्र तिवारी (बूझारत तिवारी) के आवास पर महाकालेश्वर शिव मंदिर पर रुद्राभिषेक का आयोजन किया गया। यह आयोजन प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी दिनांक 31 मई 2025 दिन शनिवार को रखा गया था । भगवान शिव के मस्तक पर चंद्र सुशोभित रहता हैं। शीतलता भोलेनाथ को अतिप्रिय है । दूध ,जल , नारियल पानी शीतल होता है। इसके मिश्रण से महादेव पर रुद्राभिषेक किया जाता है । जिससे भोलेनाथ अति प्रसन्न होते हैं । भोलेनाथ की कृपा से राजेन्द्र तिवारी (बूझारत तिवारी) धर्म पत्नी श्रीमती शिवदेवी तिवारी , पुत्र मिलिंद तिवारी (लव तिवारी) , पत्नी साधना तिवारी , विपिन तिवारी , पुनम तिवारी, तरुण तिवारी, दिक्षा , सूरज , दिव्यांश तिवारी , प्रीत, श्रद्धा , अंकिता , राघव एवं समस्त तिवारी परिवार के सहयोग से रुद्राभिषेक पंडित आचार्य आशिष मिश्रा (लाला) के मुखारविंद मंत्रोच्चार द्वारा किया गया । यह जानकारी मिलिंद तिवारी तिवारी ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी है।

सड़क दुर्घटना में पल्सर सवार युवक की मौत

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेतासराय-खुटहन मुख्य मार्ग पर स्थित नौली बाजार में रविवार की देर शाम एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, नौली गांव निवासी अजय राजभर (24 वर्ष), पुत्र दलसिंगार राजभर, रविवार की शाम पल्सर बाइक से अपने पिता के लिए दवा लेने स्थानीय बाजार नौली गया था। इसी दौरान खेतासराय की ओर से तेज रफ़्तार में आ रहे एक ऑटो ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि अजय गंभीर रूप से घायल हो गया।घटना के बाद ऑटो चालक मौके से वाहन समेत फरार हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से घायल अजय को खेतासराय के एक निजी अस्पताल ले जाया गया।जहाँ प्राथमिक उपचार के बाद हालत नाजुक देख चिकित्सकों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। लेकिन रास्ते में ही अजय ने दम तोड़ दिया। जिला अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।घटना की सूचना मिलते ही परिवार में शोक की लहर दौड़ गई। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है और फरार ऑटो चालक की तलाश की जा रही है।